मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 212
सोमवार, 17 फरवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

भारत टेक्स में भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के दर्शनः पीएम मोदी

120 से अधिक देश ले रहे भाग

नई दिल्ली, 16 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत टेक्स 2025 को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, 'भारत टेक्स का दूसरा सत्र भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है...भारत टेक्स हमें हमारी परंपरा के साथ-साथ विकसित भारत की भी झलक दिखाता है...हमने जो बीज बोया है, वह बहुत तेजी से बढ़ रहा है'। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स 2025 में एक प्रदर्शनी का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से बातचीत की और उन्हें प्रदर्शनी के कई पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई।

पीएम मोदी ने आगे कहा- भारत टेक्स एक बड़ा वैश्विक आयोजन है, इसमें 120 अधिक देश भाग ले रहे हैं। बता दें कि, भारत टेक्स 2025 का आयोजन 14-17 फरवरी को भारत मंडपम में किया जा रहा है। यह कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को एक ही मंच पर लाने वाला एक अनूठा कार्यक्रम है।

पीएम मोदी ने आगे कहा- इस आयोजन से टेक्सटाइल सेक्टर में इनवेस्टमेंट एक्सपोर्ट और ओवरॉल ग्रोथ को जबरदस्त बढ़ावा मिल रहा है। भारत टेक्स के इस आयोजन में हमारे परिधानों के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधताओं के भी दर्शन होते हैं। मेरे कुछ सहकर्मियों ने बताया कि एक कारखाना स्थापित करने में औसतन 70-75 करोड़ रुपये का खर्च आता है और इससे लगभग 2,000 लोगों को रोजगार मिलता है। मैं सबसे पहले बैंकिंग क्षेत्र के लोगों से आग्रह करूंगा कि वे इन उद्योगों की मांगों को समझें। भारत टेक्स 2025 ने आगंतुकों के अलावा 120 से अधिक देशों के नीति निमार्ताओं और वैश्विक सीईओ, प्रदर्शकों, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया है।

प्रतिभागियों में अंतर्राष्ट्रीय वस्त्र निमार्ता संघ (आईटीएमएफ), अंतर्राष्ट्रीय कपास सलाहकार समिति (आईसीएसी), यूरेटेक्स, टेक्सटाइल एक्सचेंज और यूएस फैशन इंडस्ट्री एसोसिएशन (यूएसएफआईए) सहित दुनिया भर के 25 से अधिक प्रमुख वैश्विक कपड़ा निकाय और संघ शामिल हैं।

महाकुंभ में अव्यवस्था के कारण हो रहे सड़क हादसेः अखिलेश यादव

लखनऊ, 16 फरवरी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर प्रहार करते हुए महाकुंभ में कुप्रबंधन का आरोप लगाया और वहां की यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मुआवजे की मांग की है।

यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महाकुंभ के श्रद्धालुओं से भरी बसों व अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरें प्रतिदिन बढ़ रही हैं। जो बेहद दुखद है। सपा प्रमुख ने हादसों की वजह गिनाते हुए कहा, इसके पीछे मुख्य कारण ये है कि भारी जाम व अव्यवस्था के कारण चालकों की हालत बहुत खराब है। न उनकी थकान उतर रही है न नींद पूरी हो रही है। ऐसे में वो अर्द्ध निद्रा की अवस्था में वाहन चला रहे हैं जिससे दुर्घटनाएं हो रही हैं। यादव ने सुझाव देते हुए कहा, साथ ही सड़कों पर पैदल चलनेवालों को बचाने की भी चुनौती है। इसलिए ध्यान भटकते ही मौतें हो रही हैं। इसका समाधान सिर्फ अच्छी व्यवस्था है, जो सरकार ही कर सकती है पर कर नहीं पा रही है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा, महाकुंभ यात्रा पर निकले उन सभी मृतक श्रद्धालुओं को एक समान माना जाए जिनकी भगदड़, हादसा या घुटन आदि कारणों से अलग-अलग जगहों पर मौत हुई है और इसके लिए उनके परिजनों को मुआवजा दिया जाए। सपा प्रमुख ने कहा, ह्लसभी घायलों को उपचार के साथ-साथ क्षतिपूर्ति राशि दी जाए। केंद्र और राज्य सरकार इसके लिए विभिन्न कोषों से पैसा उपलब्ध कराएं। जब अरबों रुपये प्रचार पर बहाये जा सकते हैं तो शोक संतप्त परिजनों के लिए सांत्वना के रूप में क्यों नहीं दिये जा सकते हैं।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाले के आरोपी हितेश मेहता को कोर्ट ने 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेजा

मुंबई, 16 फरवरी। न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता को बैंक से 122 करोड़ रुपये के कथित गबन के मामले में आगे की जांच के लिए मुंबई की एक अदालत ने 21 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने मेहता और मामले के एक अन्य आरोपी धर्मेश पौन को यहां अवकाशकालीन अदालत में पेश किया। पुलिस के अनुसार, बैंक के कार्यवाहक मुख्य कार्यकारी अधिकारी देवर्षि घोष ने शुक्रवार को बैंक के धन के कथित गबन के संबंध में मेहता और अन्य के खिलाफ मध्य मुंबई के दादर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने शनिवार तड़के मामला दर्ज किया और जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मेहता और उनके सहयोगियों ने साजिश रची और बैंक की प्रभादेवी और गोरेगांव शाखाओं की तिजोरियों से 122 करोड़ रुपये का गबन किया। भारतीय दंड संहिता की धारा 316 (5) (सरकारी कर्मचारियों, बैंकरों और भरोसेमंद पदों पर बैठे अन्य व्यक्तियों द्वारा आपराधिक विश्वासघात) और 61 (2) (आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को सहकारी बैंक के बोर्ड को एक साल के लिए भंग कर दिया और इसके मामलों के प्रबंधन के लिए एक प्रशासक नियुक्त किया। एक दिन पहले, इसने बैंक में हाल ही में हुए घटनाक्रमों से उत्पन्न चिंताओं का हवाला देते हुए जमाकताओं द्वारा धन निकालने सहित ऋणदाता पर कई प्रतिबंध लगाए।

दिल्ली भगदड़ पर गुस्साया विपक्ष, जमकर की मोदी सरकार और रेलवे की आलोचना

नई दिल्ली, 16 फरवरी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात भगदड़ मच गई, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेन के प्लैटफॉर्म में बदलाव की गलत घोषणा से भ्रम की स्थिति पैदा हुई, जिसके कारण भगदड़ मची। अब इस घटना को लेकर विपक्ष ने मोदी सरकार पर हमला बोला है।

विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत पर सरकार और रेलवे की आलोचना की है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से कई लोगों की मृत्यु और कईयों के घायल होने की खबर अत्यंत दुखद और व्यथित करने वाली है। शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। यह घटना एक बार फिर रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जा रहे श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर इंतजाम किए जाने चाहिए थे। सरकार और प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि बदइंतजामी और लापरवाही के कारण किसी को अपनी जान न गंवानी पड़े। आप नेता राघव चड्ढा ने कल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत के बाद भीड़ नियंत्रण उपायों की कमी को लेकर रेलवे अधिकारियों की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुखद भगदड़ ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। महिलाओं और बच्चों सहित कई निर्दोष लोगों की जान चली गई है। यह आपदा घोर कुप्रबंधन और भीड़ नियंत्रण उपायों की कमी का एक ज्वलंत उदाहरण है। 11 फरवरी को, मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया था, रेलवे स्टेशनों पर बेहतर प्रबंधन प्रोटोकॉल की तत्काल आवश्यकता के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया। पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए तत्काल सुधार आवश्यक हैं। अरविंद केजरीवाल ने भगदड़ में हुई मौतों पर शोक जताया। उन्होंने कहा, 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में महाकुंभ में जा रहे श्रद्धालुओं की दुखद मौत बेहद दुखद और दर्दनाक है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं।'

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को चौंकाने वाला और बेहद दुखद बताया है। उन्होंने कहा, 'जो दृश्य सामने आए हैं, वे भयावह हैं और बड़ी आपदा की ओर इशारा करते हैं। मैं निर्दोष पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा, 'केंद्र सरकार की प्रत्यक्ष निगरानी में राष्ट्रीय राजधानी में इस तरह की आपदा होना दशार्ता है कि सरकार पूरी तरह से अक्षम है और केवल जनसंपर्क करने में सक्षम है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहींः डी. के. शिवकुमार

कर्नाटक, 16 फरवरी। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें। पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में 18 लोगों की मौत अत्यंत हृदयविदारक : ममता बनर्जी

कोलकता, 16 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और लोगों की सुरक्षा के लिए सावधानीपूर्वक योजना और प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी के इस भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।ममता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली (नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन) भगदड़ में 18 लोगों की दुखद मौत अत्यंत हृदयविदारक है। यह दर्दनाक घटना सावधानीपूर्वक योजना और प्रबंधन के महत्व को उजागर करती है, खासकर जब बात नागरिकों की सुरक्षा की हो। उन्होंने कहा, महाकुंभ जाने वाले तीर्थयात्रियों को उचित सहायता और सुविधाएं मिलनी चाहिए, न कि परेशानी होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि ऐसी यात्राएं सुरक्षित और सुव्यवस्थित हों। ममता ने कहा, शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

18 फरवरी जयन्ती पर विशेष

-रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अतः ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे। जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातो को सामान्य लोगो के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई। रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होने उन्हे अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभुति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हे कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये। रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परमशिव के निराकार रुप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। जिससे निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था। तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। उनको अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधी थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधी टूटने पर कहा। मैं पिछले 40 वर्षो से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधी मुझे कभी नही लगी। श्री रामकृष्ण परमहंस का जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता खुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था। पांच वर्ष की उम्र में ही वो अदभुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी-देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हे कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में इनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए इनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण की जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था।

अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद इन्होने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया और अपनी पहली भिक्षा उस लुहारिन से प्राप्त की। यह घटना सामान्य नही थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार उपर उठ जाना रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है। रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख इनके बड़े भाई इन्हे अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अठारहवें वर्ष मे पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के अपने कमरे में उनकी षोड़शी देवी के रुप में आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं। रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्चलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे। इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानंन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंद, स्वामी अद्वतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष कारुण रस से भरे थे। 15 अगस्त 1886 को अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबाकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे। रामकृष्ण का सारा जीवन अध्यात्म-साधन के प्रयोगों में बीता। वे लगातार कई घंटों तक समाधि में लीन हो जाते थे। चैबीस घंटे में बीस-बीस घंटे तक वे उनसे मिलनेवाले लोगों का दुख-दर्द सुनते और उसका समाधान भी बताते। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के भोले प्रयोगवाद में वेदांत, इस्लाम और ईसाइयत सब एक रूप हो गए थे। निरक्षर और पागल तक कहे जाने वाले रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन से दिखाया था कि धर्म किसी मंदिर, गिरजाघर, विचारधारा, ग्रंथ या पंथ का बंधक नहीं है। रामकृष्ण परमहंस मुख्यतः आध्यात्मिक आंदोलन के प्रणेता थे। जिन्होंने देश में राष्ट्रवाद की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी शिक्षा जातिवाद एवं धार्मिक पक्षपात को नकारती हैं। विभिन्न धर्मों के माध्यम से रामकृष्ण के रहस्यमय अनुभवों ने उन्हें यह सिखाने के लिए प्रेरित किया कि विभिन्न धर्म पूर्ण ज्ञान और आनंद तक पहुँचने के अलग-अलग साधन हैं और विभिन्न धर्म पूर्ण सत्य की समग्रता को व्यक्त नहीं कर सकते हैं लेकिन इसके पहलुओं को व्यक्त कर सकते हैं। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उनके परम शिष्य स्वामी विवेकानन्द ने एक मई 1897 को बेलुड़ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। इस मिशन की स्थापना के केंद्र में वेदान्त दर्शन का प्रचार-प्रसार है। रामकृष्ण मिशन के उद्देश्य मानवता के सर्वांगीण कल्याण के लिए काम करना, विशेष रूप से गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए।

महंगा पड़ रहा है कांग्रेस को राहुल के अपरिपक्व निर्णय

अशोक भाटिया

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 99 सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस भले ही लोकसभा में सबसे बड़ा विपक्षी राजनीतिक दल बन गया हो लेकिन यह सभी जानते हैं कि कांग्रेस के 99 सीटों में अखिलेश यादव समेत इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य कई क्षेत्रीय दलों की भी अहम भूमिका रही है। ऐसे में होना तो यह चाहिए था कि राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के तमाम सहयोगी राजनीतिक दलों के साथ विचार विमर्श कर चुनाव से कम से कम 6-7 महीने पहले ही रणनीति तैयार कर लेते। राहुल गांधी के लिए यह तय करना भी जरूरी है कि किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस का विरोधी है और किस राज्य में कौन सा राजनीतिक दल कांग्रेस के साथ है। दिल्ली में आखिरी समय तक राहुल गांधी यह तय ही नहीं कर पा रहे थे कि केजरीवाल साथी है या विरोधी है ? पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव में भी ममता बनर्जी ने कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया था और एक बार फिर से उन्होंने राज्य में अकेले ही 2026 का विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा करके कांग्रेस पर हावी होने की कोशिश की है। लेकिन दूसरी तरफ राहुल गांधी को देखिए, कि वह तय ही नहीं कर पा रहे हैं कि ममता बनर्जी से लड़ना है या दोस्ताना संबंध रखने हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिस कुर्सी पर इस बार राहुल गांधी बैठे हैं, उसी कुर्सी पर पिछली लोकसभा में कांग्रेस के लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी बैठा करते थे। चौधरी पश्चिम बंगाल में लगातार कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की बात किया करते थे और सिर्फ इस वजह से ममता बनर्जी उनसे इतनी ज्यादा नाराज हो गई कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित किया की अधीर रंजन चौधरी 2024 का चुनाव जीतकर फिर से लोकसभा में सांसद ना बन पाए। चौधरी 2024 में लोकसभा चुनाव हार गए और राहुल गाँधी व कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया है। जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला हो या फिर बिहार में लालू यादव, कांग्रेस की लगभग सभी सहयोगी पार्टियां राहुल गांधी के कन्फ्यूजन का फायदा उठाने का प्रयास करती रहती है। इसलिए यह सवाल बार-बार उठाया जाने लगा है कि क्या राहुल गांधी का यह कन्फ्यूजन कांग्रेस पार्टी को राजनीतिक रूप से डूबा कर ही मानेगा ?

गौरतलब है कि हाल ही में कांग्रेस ने लगातार तीसरी बार दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीरो की हैट्रिक लगाई है। पिछले साल, भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने केंद्र में सरकार बनाई और नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद जीता। लेकिन छह दशकों तक केंद्र में सत्ता का आनंद लेने वाली कांग्रेस पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लगातार तीसरी बार एक भी सांसद या किसी भी विधायक का चुनाव नहीं कर सकी। पिछले तीन चुनावों में, दिल्ली के मतदाताओं ने कांग्रेस को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। यह पार्टी का राष्ट्रीय मुख्यालय है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस के निवास स्थान हैं। कांग्रेस ने देश को सबसे अधिक प्रधानमंत्री दिए हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी जैसे एक ही परिवार के नेताओं ने देश के सर्वोच्च पदों पर कब्जा किया है।राहुल गांधी कांग्रेस के सर्वोच्च नेता, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता हैं, लेकिन राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस पार्टी में कोई निर्वाचित स्थानीय नेता नहीं है।आश्चर्य तो यहां तक कि कांग्रेस पार्टी के दिग्गज माने जाने वाले कांग्रेस नेता भी दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जमानत नहीं बचा सके। कहीं भी ऐसा नहीं दिख रहा है कि कांग्रेस ने भाजपा या आम आदमी पार्टी को कड़ी टक्कर दी है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस अपने प्रचार का फामूर्ला तय नहीं कर पाई थी। पार्टी की विचारधारा और अभियान के मुद्दों को प्रभावी ढंग से व्यक्त नहीं किया जा सका। कांग्रेस को समझ नहीं आ रहा था कि भाजपा से किसका मुकाबला करे। पार्टी की रणनीति कार्यकताओं तक कभी नहीं पहुंची। राहुल गांधी कहते रहे कि कांग्रेस पार्टी दलितों और अल्पसंख्यक मतदाताओं की आवाज है, लेकिन यह विश्वास नहीं दिला सके कि कांग्रेस सत्ता में आएगी। परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि कांग्रेस ने दिल्ली में दलित और अल्पसंख्यक वोट बैंक खो दिया था। मध्यम वर्ग और केंद्रीय कर्मचारी दिल्ली में बड़े वोट बैंक हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का स्टार प्रचारक कौन है, इसे लेकर अंत तक काफी असमंजस की स्थिति बनी रही। राहुल की दो रैलियां और प्रियंका की एक। अगर गांधी परिवार की दिलचस्पी नहीं है, तो बाकी नेता खुद को प्रचार में क्यों लगाएंगे? राहुल खुद अचानक 15 दिन के लिए विदेश दौरे पर चले गए। कांग्रेस अपने दम पर दिल्ली चुनाव लड़ने के लिए तैयार नहीं थी। केजरीवाल द्वारा आम आदमी पार्टी के अपने दम पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद भी, कांग्रेस ने गठबंधन बनाने की कोशिश की, लेकिन आप ने कांग्रेस को गंभीरता से नहीं लिया। 70 में से 10-12 निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस के पास एक उम्मीदवार का भी अभाव था। कई निर्वाचन क्षेत्रों में, कांग्रेस ने बाहरी उम्मीदवारों को उतारा। मतदाताओं को अलका लांबा, राजेश लिलोठिया, हालांकि रागिनी नायक पार्टी में एक बड़ा नाम हैं, लेकिन उन्हें उम्मीदवार के रूप में उतारा गया था, जिसमें उन्हें ही नुकसान उठाना पड़ा था।

अहंकार और अति बुद्धिमत्ता ने दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की हत्या कर दी है। एक तरफ पिछले एक साल से भाजपा की चुनावी माइक्रोमैनेजमेंट की तैयारी चल रही थी और कांग्रेस और आप के बीच इस बात की होड़ लगी हुई थी कि कौन किसको सबक सिखाएगा। ये दोनों पार्टियां भाजपा की आंधी के सामने हार गईं। लोकसभा में कांग्रेस के 100 सांसद हैं, लेकिन दिल्ली में पार्टी का प्रदर्शन शून्य है। लेकिन कांग्रेस आम आदमी पार्टी के 14 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारने में सफल रही। 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनावों में इसे 30 प्रतिशत वोट मिले। 2020 में, वोट बढ़कर 54 प्रतिशत हो गए। 2013 में, कांग्रेस को 25 प्रतिशत वोट मिले और 2020 में यह गिरकर 4 प्रतिशत हो गया। भाजपा ने अपना 35 प्रतिशत वोट शेयर बरकरार रखा। कांग्रेस और अअढ ने गठबंधन में 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा लेकिन दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा सांसदों को चुना। कई विश्लेषकों का मानना है कि अगर कांग्रेस और आप चुनाव एक साथ लड़ते, तो आप का नुकसान कम होता। अगर कांग्रेस-आप गठबंधन बन गया होता, तो भाजपा को 14 सीटों का नुकसान होता। संगम विहार, त्रिलोकपुरी, जंगपुरा, तिमारपुर, राजेंद्र नगर, मालवीय नगर, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली, छतरपुर, महरौली, मादीपुर, बादली, कस्तूरबा नगर और नांगलोई जाट ने तस्वीर बदल दी होती।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि भारतीय गठबंधन के गठन के बाद सीटों के बंटवारे का समझौता केवल लोकसभा के लिए था। यह निर्णय लिया गया कि विधानसभा चुनाव के लिए हर पार्टी को निर्णय लेना चाहिए। दिल्ली विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने अअढ से 10 सीटों की मांग की थी, लेकिन केजरीवाल ने पारस्परिक रूप से घोषणा की कि वह दिसंबर 2024 में अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने हमेशा दिल्ली में केजरीवाल सरकार का विरोध किया। कांग्रेस नेता अजय माकन ने केजरीवाल को देशद्रोही और ₹देशद्रोही₹ कहा और फरजीवाल के रूप में जाना जाता है। आप सरकार के शराब घोटाले के विरोध में कांग्रेस ने अपनी रैली में विरोध के नारों के साथ शराब के गुब्बारे उड़ाए। जब अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनावों में केजरीवाल को समर्थन देने की घोषणा की तब जाकर यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस अलग-थलग पड़ गई है। राहुल गांधी ने प्रचार में कहा कि मोदी और केजरीवाल एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कांग्रेस प्रवक्ता शिव खेड़ा ने कहा, ₹अअढ एक पीने वाली पार्टी है। अजय माकन ने कहा,हमारा पहला लक्ष्य आम आदमी पार्टी है। कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान आप सरकार पर लगातार तीखे हमले किए हैं। आप और कांग्रेस के बीच भीषण लड़ाई ने भाजपा की जीत सुनिश्चित और मजबूत की। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवन्ना रेड्डी ने कहा, 'आप ने हरियाणा में चुनाव लड़कर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया, कांग्रेस ने दिल्ली में किया.... इंडिया अलायंस में हरियाणा में जो हुआ वो अब दिल्ली में हुआ।

देश में कई राज्य ऐसे हैं जहां कांग्रेस पार्टी खाली है। चार राज्यों में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। आंध्र प्रदेश में विधानसभा में 175 सीटें हैं। आंध्र प्रदेश में 2024 में विधानसभा चुनाव हुए थे। इस चुनाव में, कांग्रेस ने दिखाया कि उसने एक मजबूत चुनाव जीता है। वास्तव में, वह एक भी सीट नहीं जीत सकी। पार्टी के अधिकांश उम्मीदवारों को तीसरे स्थान पर धकेल दिया गया। उनकी कई जमा राशि जब्त कर ली गई। आंध्र प्रदेश में एनडीए के 164 विधायक हैं। विपक्षी वाईएसआर कांग्रेस के पास 11 विधायक हैं, जो 2014 तक राज्य में सत्ता में थी।पश्चिम बंगाल विधानसभा में भी कांग्रेस शून्य है। चुनाव 2021 में हुए थे। कांग्रेस को राज्य में पहली बार कद्दू मिला। तृणमूल कांग्रेस के 224 विधायक हैं और विपक्षी भाजपा के पास 66 विधायक हैं। 2023 में, कांग्रेस विधायक मुर्शिबाद में सागर दिघी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे, लेकिन बाद में तृणमूल कांग्रेस में चले गए। बाद के उपचुनावों में कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ा।

सिक्किम विधानसभा में 32 सीटें हैं। सिक्किम कभी कांग्रेस का गढ़ था। अब उस विधानसभा में कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है। सिक्किम की सभी सीटें सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के पास हैं और पार्टी एनडीए के साथ है। नागालैंड विधानसभा में 60 सीटें हैं। फरवरी 2023 में चुनाव हुए थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली। नागालैंड एनडीपीपी के पास 25 सीटें हैं और भाजपा के पास 12 सीटें हैं। अरुणाचल विधानसभा में 60 सीटें हैं, मेघालय और मिजोरम में कांग्रेस के केवल एक-एक विधायक हैं। मणिपुर और पुडुचेरी, जहां अतीत में कांग्रेस का प्रभाव था, में केवल दो विधायक हैं। कांग्रेस नेता राहुल गाँधी का यही हाल रहा तो बिहार विधान सभा में भी पार्टी की बुरी हालात को कोई नहीं रोक सकता ।

बचा जा सकता है मानव निर्मित आपदा से!

-सुनील कुमार महला

15 फरवरी 2025 की रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 15 लोगों की मौत हो गई, यह बहुत ही दुखद है। मरने वालों में 11 महिलाएं, दो पुरुष और दो बच्चे शामिल बताए जा रहे हैं। हादसे में 15 लोग घायल हो गए, जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दरअसल, प्रयागराज जाने के लिए स्टेशन पर भारी भीड़ जुटी थी। प्रयागराज एक्सप्रेस के कारण प्लेटफार्म नंबर 14 और 15 पर भारी भीड़ थी?। हाल फिलहाल, रेलवे बोर्ड ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। हादसे के बाद राहत कर्मियों को तैनात कर दिया गया है और एलजी इसकी लगातार निगरानी कर रहे हैं। कहना गलत नहीं होगा कि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं के चलते और भगदड़ के कारण जान-माल दोनों का ही नुकसान हुआ है।इसी बीच रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए चार विशेष गाड़ियां भी चलाने की घोषणा कर दी है, इससे भीड़ में कमी देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि ट्रेनों के रद्द होने की अफवाह से भगदड़ मची थी। वास्तव में, यह घटना नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर उस समय हुई, जब अचानक प्रयागराज जाने वाली दो ट्रेनों के रद्द होने की अफवाह के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि प्लेटफार्म नंबर 14 और 15, जो एक साथ हैं, के बीच अचानक भारी भीड़ पहुंच गई। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक रविवार को अवकाश होने के कारण शनिवार को प्रयागराज जाने के लिए काफी संख्या में लोग जुट गए। पाठकों को बताता चलूं कि इससे पहले 29 जनवरी को प्रयागराज के महाकुंभ में 40 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, 10 फरवरी 2013 को भी कुंभ के दौरान प्रयागराज स्टेशन पर भगदड़ मची थी। जानकारी के अनुसार इस हादसे में 36 लोग मारे गए थे। वास्तव में देश में महाकुंभ एक बड़ा आयोजन है और इसमें भारी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। भारत ही नहीं विदेशों तक से महाकुंभ में अनेक लोग आ रहे हैं। अमूमन देश में किसी त्योहार पर भी इतनी भीड़ नहीं उमड़ती है लेकिन इस बार महाकुंभ में भीड़ का सैलाब है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से दिल्ली हादसे को लेकर यह खबरें भी आ रहीं हैं कि गलत अनाउंसमेंट और प्रशासन की लापरवाही इस हादसे का मुख्य कारण बनी। दिल्ली भारत की राजधानी है और अक्सर यहां रेलवे स्टेशन पर काफी भीड़ रहती है। महाकुंभ के कारण पहले से ही यात्रियों की संख्या अधिक थी। ऐसे में भीड़ प्रबंधन की ठोस व्यवस्थाएं की जानी बहुत जरूरी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक प्लेटफॉर्म बदलाव की गलत घोषणा हुई, जिससे यात्रियों में अफरातफरी मच गई और भगदड़ हो गई।शुरूआती जांच में रेलवे प्रशासन और स्टेशन प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आ रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गलत घोषणाएं करने वाले अधिकारियों की पहचान की जा रही है। रेलवे और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से भीड़ नियंत्रण की योजना की जांच हो रही है। घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों से भी लगातार पूछताछ जारी है। बताया यह भी जा रहा है कि भीड़ को कंट्रोल करने के लिए प्लेटफॉर्म 14 और 15 की एक-एक सीढ़ी बंद कर दी गई थी। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि यह पहली बार नहीं है जब इस तरह से अचानक रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मची हो। इससे पहले भी इस तरह की कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं। 29 सितंबर 2017 को मुंबई के एलफिंस्टन रोड रेलवे स्टेशन के फुट ओवरब्रिज पर भगदड़ मच गई थी और इस भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई थी औ 39 अन्य यात्री घायल हो गए थे। दरअसल ,यह हादसा पुल गिरने की अफवाह के कारण हुआ था। इसी प्रकार से महाराष्ट्र के मुंबई में बांद्रा रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई थी, जिससे भगदड़ में 9 यात्री घायल हो गए थे। इतना ही नहीं, 10 फरवरी 2013 को कुंभ मेले के दौरान उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर अचानक मची भगदड़ में भी 32 लोगों की मौत हो गई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2007 में भी मुगल सराय जंक्शन भगदड़ में 14 महिलाओं की मौत हो गई थी।वहीं इस घटना में 40 से अधिक यात्री घायल हो गए थे। वास्तव में,भगदड़ भीड़ प्रबंधन की असफलता या अभाव की स्थिति में पैदा हुई मानव निर्मित आपदा है। अक्सर भगदड़ किसी अफवाह के कारण पैदा होती है और भगदड़ में लोग दिशाहीन होकर इधर-उधर भागने लगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप दम घुटने व कुचलने से चोटिल होने एवं मृत्यु की घटनाएँ होती हैं। अक्सर भगदड़ मचने के पीछे जो कारण निहित होते हैं उनमें क्रमशः मनोरंजन कार्यक्रम, एस्केलेटर और मूविंग वॉकवे, खाद्य वितरण, जुलूस, प्राकृतिक आपदाएँ, धार्मिक आयोजन, धार्मिक/अन्य आयोजनों के दौरान आग लगने की घटनाएँ, दंगे, खेल आयोजन, मौसम संबंधी घटनाएँ आदि शामिल होते हैं। बैरिकेड्स, अवरोध, अस्थायी पुल, अस्थायी संरचनाएँ और पुल की रेलिंग का गिरना, दुर्गम क्षेत्र (पहाड़ियों की चोटी पर स्थित धार्मिक स्थल जहाँ पहुँचना मुश्किल है), फिसलन युक्त या कीचड़ युक्त मार्ग, संकरी गलियाँ एवं संकरी सीढ़ियाँ, खराब सुरक्षा रेलिंग, कम रोशनी वाली सीढ़ियाँ, बिना खिड़की वाली संरचना, संकीर्ण एवं बहुत कम प्रवेश या निकास स्थान, आपातकालीन निकास का अभाव भी बहुत बार भगदड़ के कारण बन सकते हैं। अप्रभावी भीड़ प्रबंधन तो भगदड़ मचने का कारण है ही। बहुत बार यह देखा जाता है कि किसी एक प्रमुख निकास मार्ग पर ही लोगों की निर्भरता होती है ,जो भगदड़ का कारण बन जाती है। आज अक्सर यह भी देखने को मिलता है कि किसी कार्यक्रम विशेष के लिए क्षमता से अधिक लोगों को अनुमति दे दी जाती है। बहुत से स्थानों पर उचित सार्वजनिक संबोधन प्रणाली का भी अभाव होता है, जिससे सूचना देने में दिक्कत आती है। भीड़ अनेक बार गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार अपनाती है और सुरक्षा नियमों का ठीक से पालन नहीं करती है। आग या बिजली का प्रसार भी अनेक बार भगदड़ मचने का कारण बन सकता है। इसलिए सुरक्षा और निगरानी के उपाय पुख्ता होने चाहिए। सुरक्षाकर्मियों की नियुक्ति से पूर्व रिहर्सल प्रैक्टिस भी की जानी चाहिए ताकि भगदड़ आदि के समय सुरक्षा उपायों को तुरंत किया जा सके। सीसीटीवी, आधुनिक तकनीक को भी इस्तेमाल में लाया जा सकता है। पुलिस प्रशासन, अग्निशमन सेवा, चिकित्सा सेवा एजेंसियों और आयोजक प्रबंधन के बीच समन्वय होना भी बहुत ही जरूरी और आवश्यक है। संचार व्यवस्थाएं भी अच्छी और सुदृढ़ होनी चाहिए। भगदड़ से बचने के लिए भगदड़ वाले स्थानों पर आगमन एवं निकास की समुचित व्यवस्था (पुरूष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग) यथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था होनी चाहिए।चिकित्सा दल एवं एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था, बिजली के तारों एवं उपकरणों में सुरक्षा के पूर्ण उपायों की व्यवस्था, पार्किंग की समुचित एवं सुचारू व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, पर्याप्त रौशनी,वॉच टावर की व्यवस्था होनी चाहिए। इतना ही नहीं उपहार, भोजन, प्रसाद, कबंल आदि मुफत वितरण के दौरान भगदड़ रोकने की व्यवस्था की जाए एवं अधिक भीड़ होने पर सामग्री के विवरण पर प्रतिबंध लगाने हेतु आयोजकों को पर्याप्त निर्देश दिए जाने चाहिए। किसी भी स्थान पर अनावश्यक रूप से एक स्थान पर भीड़ नहीं लगानी चाहिए।छोटे बच्चों, महिलाओं, बीमारों या वृद्धों को मेले में ले जाते समय उनकी जेब में (या गले में लॉकेट की तरह) घर का पता और फोन नम्बर साथ रखा जाना चाहिए।भगदड़ के समय संयम पूर्ण व्यवहार करना चाहिए और घबराना नहीं चाहिए।किसी भी आपात स्थिति में तत्काल नियंत्रण कक्ष में संपर्क स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।भीड़ वाले स्थान पर किसी भी प्रकार के पटाखे/ज्वलनशील पदार्थ नहीं ले जाना चाहिए तथा धूमपान नहीं करना चाहिए। प्रशासन की ओर से की जाने वाली घोषणाओं को ध्यान से सुनना चाहिए और उसके अनुसार व्यवहार करना चाहिए।

महाकुंभ में भारत की सांस्कृतिक विविधता के दर्शन

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

महाकुंभ प्रयागराज नाम से ही महाकुंभ नहीं है। अपने स्वरूप में भी महाकुंभ है। इस बात की तस्दीक प्रयागराज महाकुंभ में उमड़ता जनसैलाब कर रहा है। यहां गंगा, जमुना, सरस्वती के संगम पर स्नान करने और साधु, संतों, महात्माओं के दर्शनकर आध्यात्मिक सुख प्राप्त करने की बैचेनी साफ तौर पर दिखाई दे रही है। प्रयागराज में भारत की सांस्कृतिक विविधता के तो दर्शन हो ही रहे है। भारत की आध्यात्मिक चेतना से भी प्रयागराज में रूबरू हुआ जा सकता है।

महाकुंभ में सबको पहुंचने की ललक है, वहां पहुंचकर संगम स्थल पर जाने की उत्कंठा और स्नान की बैचेनी भी है। अपनी प्रयागराज यात्रा के दौरान आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग से शिवपुरी फिर झांसी से बुंदेलखंड सुपर एक्सप्रेस वे के माध्यम से चित्रकूट और वहां से प्रयागराज तक पहुंचने में कोई दिक्कत नहीं आई सड़क पर कहीं जाम की स्थिति नजर नहीं आई यातायात गतिशील ही दिखाई दिया। इस मार्ग से गुजरात और महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं से भरी बसें और कारें प्रयागराज की कोई जाती दिखाई दी। रविवार को जाते हुए और मंगलवार को आते हुए भी कहीं जाम नजर नहीं आया। जैसा कि मीडिया चैनलों पर एमपी के सतना मार्ग के लंबे जाम की खबर चल रही है। प्रयागराज पहुंचकर जरूर 10 से 15 किलोमीटर के रेंगते यातायात से सामना हुआ। जो श्रद्धालुओं की बैचेनी और कष्ट दोनों को बढ़ाता प्रतीक हुआ। कुछ तो जल्दबाजी और वाहनों चालकों की भी है जो मुख्यमार्ग को छोड़कर अन्य वाहनों को हुआ जाता देखकर छोटे छोटे मार्ग पर अपनी कारों को मोड देते है। ऐसा कर वे अपने कष्ट को बढ़ा लेते है। हर कोई संगम पहुंचना चाहता है। अपने धर्म गुरुओं के पांडाल के निकट जाना चाहता है। कारों और बड़े वाहनों को दूर पार्किंग में खड़ा करवाना प्रयागराज महाकुंभ यातायात पुलिस के लिए जरूरी भी है। इन पार्किंग स्थलों से बाइक के माध्यम से पहुंचने की राय पूछने पर हर कोई यह बताता है कि बाइक से संगम स्थल पहुंचना उचित होगा। रुकने के लिए लाज की व्यवस्था की राय भी मिल जाती है। वैसे थके हुए शरीर को आराम की आवश्यकता भी होती है। सो रुकने के उचित प्रबंध देखकर लोग तैयार भी हो जाते है। इसके लिए कई प्रयाग वासियों ने अपने घर लाजो होटलों और गेस्ट हाउस में परिवर्तित कर दिए। वैसे हमने अपनी कार जमुना किनारे स्थित पार्किंग में खड़ी की और बाइक से प्रयागराज महाकुंभ स्थल के सेक्टर नंबर 16 के सार्वभौम सनातन धर्म महासभा के पांडाल में जाने के लिए शेखर निषाद से संपर्क किया पांच साथियों को चार हजार रु छोड़ने का सौदा तय हुआ और बात बन गई इन तीन बाइक सवारों ने हमें मेला स्थल के करीब सेक्टर नंबर 16 सार्वभौम सनातन धर्म महासभा के पांडाल में छोड़ा। जहां पांडाल जरूर आम पांडालों से छोटा नजर आया किन्तु सेवा ओर स्नेह की दृष्टि से उक्त पांडाल मन को जीत ले गया। वैसे संगम स्थल तक पहुंचने के लिए बाइक सवारों ने भीड़ के मध्य से अपनी बाइक बहुत सावधानी से निकाली कभी कभी डर भी लगा किंतु शेखर निषाद और उनके साथी हमे कहते रहे डरो नहीं

बाबूजी आपको मेला स्थल निर्धारित सेक्टर और आपके पांडाल में पहुंचा देंगे। अपने कहे अनुसार पांडाल में पहुंचा भी दिया। रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार सुबह फिर बाइक की मदद से संगम स्थल पहुंच गए। यहां अल सुबह से लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाने के लिए बैचेन दिखाई दिए। इतनी बड़ी भीड़ को चीरते हुए पहुंचना और संगम में स्नान करने की सफलता महाकुंभ पहुंचने में हुए कष्टों को भुला देती है। महाकुंभ में भीड़ अधिक है। इतनी भीड़ के नियंत्रण में कई बार व्यवस्था गड़बड़ाती भी है। हम सोमवार को पहुंचे उस दिन भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रोपदी मुर्मू प्रयागराज संगम स्थल स्नान के लिए पहुंची तो श्रद्धालुओं को संगम स्थल पहुंचने में थोड़ी देर जरूर लगी। सनातन धर्म के इस महाकुंभ में साधु संतों के पांडालों में पूजा अर्चना और आध्यात्मिक प्रवचन चल रहे है। हर पांडाल में भोजन प्रसादी भी भक्तों को भरपूर मिल रही है। संगम स्थल पर देश के हर प्रांत के लोग आतें है विभिन्न भाषाओं के श्रद्धालुओं का सैलाब महाकुंभ के दौरान देश की सांस्कृतिक एकता के परिचायक के रूप में दिखाई दिया 13 फरवरी को एक महीना पूर्ण होने को आ रहा है। आने वालो की बेसब्री और बैचेनी साफ दिखाई दे रही है जो यह भी संकेत दे रहा की की महाशिवरात्रि तक प्रयागराज आने का दौर ऐसा ही चलता रहेगा। आस्था की डुबकी लगाने के लिए थोड़ी भीड़ का सामना तो करना ही पड़ेगा। किंतु डुबकी के बाद पुण्य और आध्यात्मिक लाभ कष्टों को भुला देता है। यहां आ रहे जनसमुदाय को देखते हुए पुलिस ओर प्रशासन का धीरज काबिले तारीफ है। संगम स्थल पर बालू रेत पर पांडालों की व्यवस्था उस पर मोटे टीन के चादरों के माध्यम से रास्ते का निर्माण देखते बनता है। बड़े बड़े पांडालों को जो दूर दूर तक फैले है, सेक्टर में बांटना श्रद्धालुओं को परेशानियों से बचाता है। पुलिस प्रशाशन हर पूछने वालों को समझाने का प्रयास करते दिखे, संगम स्थल पर खोया पाया केंद्र से दिन भर अपनों से भड़के लोगों का एलाउंस होता रहा। अपनों से खोने से बचने के लिए कई लोग लंबी रस्सी पकड़ कर चलते दिखाई दिए। रस्सी पकड़ कर एक साथ 25 से 50 लोग भी दिखें। आस्था की डुबकी लगाने के लिए इतनी भीड़ में भारत के हर प्रांत के लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे है। सनातन महात्य का महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विविधता का मेला नजर आया शायद शंकराचार्यों ने भारत को वैचारिक रूप से जोड़ने के लिए महाकुंभ की कल्पना की होगी प्रयागराज महाकुंभ सांस्कृतिक एकता के महान लक्ष्य को पूर्ण करता दिखाई दे रहा है।

रेलवे की लापरवाही या आम आदमी की किस्मत कब तक यूं ही मरते रहेंगे बेगुनाह : डॉ. रविंद्र मिश्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बीती रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 17 निर्दोष लोगों की दर्दनाक मौत और 25 से अधिक लोगों के घायल होने की घटना ने एक बार फिर रेलवे प्रशासन और सरकार की लापरवाही को उजागर कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रयागराज जाने वाली दो महत्वपूर्ण ट्रेनों की देरी और रद्द होने की अफवाह से हजारों यात्री प्लेटफॉर्म पर इकट्ठा हो गए। प्रशासन की ओर से कोई भीड़ नियंत्रण उपाय न होने के कारण अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई।यह हादसा कोई पहली बार नहीं हुआ है। एलफिंस्टन ब्रिज हादसा (2017, मुंबई), अमृतसर दशहरा हादसा (2018), मधुबनी रेलवे स्टेशन भगदड़ (2019) जैसे कई मामलों में रेलवे प्रशासन की विफलता सामने आ चुकी है। हर बार सरकार जांच के आदेश देकर और मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्यों से बचने की कोशिश करती है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या आम आदमी की जान इतनी सस्ती हो गई है कि उसकी सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं है।इस दर्दनाक हादसे ने रेलवे की व्यवस्थाओं पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों की संख्या का सही अनुमान क्यों नहीं लगाया गया? रेलवे के पास पहले से टिकटों की बिक्री का पूरा डेटा होता है, जिससे साफ पता चल जाता है कि किस स्टेशन पर कितनी भीड़ होने वाली है। फिर भी रेलवे ने कोई अतिरिक्त ट्रेन नहीं चलाई और न ही भीड़ नियंत्रण के लिए कोई रणनीति बनाई। त्योहारों और बड़े आयोजनों के दौरान ट्रेनों की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई गई? कुंभ मेले जैसे बड़े आयोजनों के दौरान यात्रियों की संख्या में वृद्धि स्वाभाविक है। लेकिन रेलवे ने प्रयागराज के लिए न तो अतिरिक्त ट्रेन चलाई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की। सुरक्षा बलों की भारी कमी क्यों रही? इतनी भीड़ के बावजूद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी (गवर्मेंट रेलवे पुलिस) की संख्या न के बराबर थी। भगदड़ के समय भी कोई आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम तैनात नहीं थी। आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का अभाव क्यों था? हादसे के बाद घायलों को तुरंत इलाज नहीं मिल सका। रेलवे स्टेशनों पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होनी चाहिए, लेकिन अधिकांश स्टेशनों पर आपातकालीन सुविधाओं की भारी कमी है। क्या आम आदमी की जान की कोई कीमत नहीं? हर बार सरकार ₹घटनाओं की जांच₹ और ₹मुआवजे के ऐलान₹ तक सीमित रह जाती है, लेकिन असली सवाल यह है कि रेलवे प्रशासन इतनी लापरवाही क्यों बरतता है, जबकि उसे यात्रियों की संख्या पहले से पता होती है? सरकार कब तक ₹जांच के आदेश₹ देकर अपना पल्ला झाड़ती रहेगी? रेलवे बजट हर साल हजारों करोड़ का होता है, फिर भी यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता ?वीआईपी लोगों के लिए विशेष सुविधाएं होती हैं, लेकिन आम आदमी को बुनियादी सुरक्षा तक क्यों नहीं मिलती? राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस गंभीर हादसे पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग ने गहरी नाराजगी व्यक्त की है और केंद्र सरकार से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की है। आयोग के मुख्य महासचिव डॉ. रविंद्र मिश्रा ने कहा कि ₹रेलवे सिर्फ टिकट बेचकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। यात्रियों की सुरक्षा भी रेलवे की ही जिम्मेदारी है। यदि सरकार इस मामले में ठोस कदम नहीं उठाती, तो आयोग कानूनी कार्रवाई पर विचार करेगा।₹ आयोग ने निम्नलिखित मांगें रखी हैं। 1. भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जाए। 2. त्योहारों और बड़े आयोजनों के दौरान पर्याप्त ट्रेनों की व्यवस्था की जाए। 3. हर प्रमुख रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। 4. रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी और आरपीएफ की उपस्थिति बढ़ाई जाए। 5. इस घटना के लिए जिम्मेदार रेलवे अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि सरकार और रेलवे प्रशासन आम जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। अब समय आ गया है कि सरकार सिर्फ मुआवजे की घोषणा करने के बजाय व्यवस्था में सुधार करे और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।आम जनता को भी अब अपने अधिकारों के लिए आवाज उठानी होगी। यदि सरकार और रेलवे प्रशासन इसी तरह लापरवाही करते रहे, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और भी बढ़ सकती हैं। अब देखना यह है कि सरकार और रेलवे प्रशासन इस त्रासदी से सबक लेते हैं या हमेशा की तरह ₹जांच के आदेश₹ देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं।

कल्याण में पुरस्कार वितरण एवं छात्र सम्मान समारोह आयोजित

कल्याण। बी. के. बिड़ला महाविद्यालय, कल्याण एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद् पुरस्कृत साहित्य भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिभाषिक एवं त्रिस्तरीय कहानी लेखन में पुरस्कार प्राप्त सभी विद्यार्थियों और उनके अध्यापकों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि पिछले तीन वर्षों से उक्त दोनों संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिस्तरीय झ त्रिभाषिक नवलेखक शोध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष स्कूल, जूनियर कॉलेज और महाविद्यालय स्तर के छात्रों को संयुक्त परिवार, पर्यारण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे विषय हिंदी, मराठी और अंगरेजी में कहानी लेखन हेतु दिए गये थे` इस प्रतियोगिता में कुल 485 छात्रों की सहभागिता रही जिनमें प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त कुल 32 छात्रों को सम्मानित किया गया` साथ ही सर्वाधिक छात्रों की सहभागिता के लिए एन. आर. सी. विद्यालय, अम्बीवाली और चाणक्य विद्यालय, कल्याण को नवांकुर प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया।समारोह के अध्यक्ष डॉ. नरेश चन्द्र ने इस प्रतियोगिता को राज्यस्तरीय बनाने और पुरस्कार राशि बढाने की बात कहते हुए छात्रों को लेखन कार्य में जुड़ें रहने की सलाह दीं` मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश प्रताप सिंह ने ऐसे आयोजनों को वर्तमान के लिए सर्वाधिक प्रासंगिक बताते हुए सहभागी छात्रों को बधाई दीं` विशेष अतिथि प्रसिद्ध कवि दुर्गेश सोनार नें अनेक रोचक उदाहरणों के माध्यम से छात्रों को लेखन कार्य के प्रति प्रेरित कियां` सम्मानित अतिथि डॉ. राहुल मिश्र नें साहित्य को समाज का मार्गदर्शक बताते हुए सकारात्मक सोच वाले साहित्य सृजन पर जोर दिया।

उप प्राचार्य डॉ. महादेव यादव ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और आयोजन के संयोजक डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय नें प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए इस आयोजन के मुख्य उद्देश्यों को रेखांकित किया` अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, कोंकण प्रांत के कार्याध्यक्ष श्री प्रवीण देशमुख ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया और मंत्री संजय द्विवेदी ने अतिथियों का परिचय प्रस्तुत कियां` कल्याण इकाई की सचिव सुश्री प्राजक्ता कुलकर्णी और उपाध्यक्ष डॉ. दुर्गेश दुबे नें कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

अजित पवार ने जीबीएस के डर के बीच लोगों को अधपका चिकन न खाने की दी सलाह

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने गिलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के हाल ही में सामने आए मामलों के बीच शनिवार को लोगों से एहतियात के तौर पर अधपका चिकन खाने से बचने का आग्रह किया।

पवार ने पुणे में पत्रकारों को संबोधित करते हुए इस बीमारी के मुर्गी पालन से जुड़ी चिंताओं को हल किया और स्पष्ट किया कि मुर्गियों को मारने की कोई आवश्यकता नहीं है। महाराष्ट्र में जीबीएस के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। पवार ने कहा, हाल ही में, खड़कवासला बांध क्षेत्र (पुणे में) में जीबीएस प्रकोप की सूचना मिली थी।कुछ ने इसे पानी के संदूषण से जोड़ा जबकि दूसरों ने अनुमान लगाया कि यह चिकन खाने के कारण हुआ था। विस्तृत समीक्षा के बाद, यह निष्कर्ष निकाला गया कि मुर्गियों को मारने की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपने भोजन, खास तौर पर चिकन को अच्छी तरह से पकाकर खाएं ताकि स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से बचा जा सके। जीबीएस संक्रमण दूषित पानी और भोजन, खास तौर पर कैंपिलोबैक्टर जेजुनी बैक्टीरिया वाले भोजन से हो सकता है।

उन्होंने कहा, चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि भोजन को अच्छी तरह से पकाया जाना चाहिए। जीबीएस की स्थिति नियंत्रण में है और मुर्गियों को मारने की कोई जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस बीच शनिवार को जीबीएस का एक नया मामला सामने आया, जिससे राज्य में संदिग्ध और पुष्टि किए गए कुल मामलों की संख्या 208 हो गई।

नागपुर में पटाखा निर्माण इकाई में विस्फोट से दो लोगों की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि विस्फोट जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर, काटोल तहसील के कोतवलबर्डी में एशियन फायरवर्क्स में अपराह्न 1:30 बजे हुआ। उन्होंने बताया, ह्यह्यदो लोगों की मौत हुई है और कुछ अन्य घायल हुए हैं। घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारण आसपास की झाड़ियों में मामूली आग लग गई, जिसे बुझा दिया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पूर्व में बताया था कि यह घटना विस्फोटक सामग्री बनाने एक प्रमुख इकाई एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुई थी।

शंभूराजे प्रतिष्ठान ने छात्रों के लिए फिल्म 'छावा' की नि:शुल्क स्क्रीनिंग का आयोजन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म छावा का विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शो आयोजित किया गया। फिल्म का प्रदर्शन शंभूराजे प्रतिष्ठान और एम्बिशन एकेडमी द्वारा संयुक्त रूप से रविवार को घाटकोपर पूर्व स्थित ओडियन सिनेमा में किया गया। संभाजी महाराज पर आधारित फिल्म छावा एक सौ विद्यार्थियों को दिखाई गई। छह वर्ष से लेकर 15 वर्ष तक के विद्यार्थियों ने यह फिल्म देखी। बच्चे हिंदी फिल्मों के नायकों की ओर आकर्षित होते हैं। लेकिन आयोजक आदेश दरेकर और गौरव दरेकर ने कहा कि ऐतिहासिक फिल्मों के माध्यम से बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से कि हिंदवी स्वराज्य के असली नायक छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज हैं, हमने छात्रों के लिए मुफ्त में फिल्म छावा का आयोजन किया है।

डोंबिवली में साढ़े छह हजार परिवार बेघर होने की कगार पर

जिलाअध्यक्ष दिपेश म्हात्रे ने कहा किसी को बेघर नही होने देंगे

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में 65 इमारतों पर उच्च न्यायालय ने बुलडोजर चलाने का आदेश दिया है। इस कार्रवाई से करीब साढ़े छह हजार परिवारों के बेघर होने का खतरा है। लेकिन सवाल यह उठता है कि जब ये इमारतें अवैध थीं, तो उन्हें बनाने की अनुमति कैसे मिली और किसने इन बिल्डरों की मदद की? अब यह बात सामने आ रही है कि इन इमारतों के निर्माण में स्थानीय प्रशासन और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका रही है। ऐसा ठाकरे गुट के जिलाध्यक्ष दिपेश म्हात्रे ने कहा है। शिवसेना (उद्धव गुट) के जिला प्रमुख दीपेश म्हात्रे ने इस कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि गरीब नागरिकों को बेघर नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि असली बिल्डरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जबकि आम नागरिकों को सजा दी जा रही है। इस घोटाले में केडीएमसी और महारेरा की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि गलत तरीके से कागजात तैयार कर घरों का पंजीकरण किया गया। आदित्य ठाकरे भी इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात करेंगे। इस खुलासे के बाद डोंबिवली-कल्याण के राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इस मुद्दे को लेकर रविवार को दिपेश म्हात्रे द्वारा पत्रकार परिषद रखी गई इस पत्रकार परिषद में हजारों की संख्या में पीड़ित कुटुंब भी उपस्थित थे । दिपेश ने कहा कि किसी को भी बेघर नही होने देंगे कानूनी लड़ाई के साथ साथ जमीनी लड़ाई भी हम लड़ने को तैयार है।

भगवान श्री राम के आदर्शों और विचारों को जीवन में अपनाएं : अजय महाराज

भायंदर(उत्तरशक्ति)। भगवान श्री राम के आदर्शों और विचारों पर चलकर ही राम राज्य का सपना साकार किया जा सकता है। उनका जीवन संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणा है। तीर्थराज प्रयाग पूर्वांचल फाउंडेशन द्वारा 15 फरवरी, शनिवार को शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक साईं कुंज हाल, आरएनपी पार्क, भायंदर पूर्व में आयोजित भक्ति और सत्संग के संगीतमय कार्यक्रम, एक शाम श्री राम के नाम में व्यास पीठ से बोलते हुए प्रख्यात कथा वाचक अजय महाराज ने उपरोक्त बातें कही। कार्यक्रम का शुभारंभ देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन तथा वरिष्ठ समाजसेवी पंडित लल्लन तिवारी ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे तथा युवा भाजपा नेता एडवोकेट राजकुमार मिश्र उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष अरुण तिवारी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन को सफल बनाने में मीरा दुबे, रजनी चौहान, रंजीता शाह, पूनम चौबे, अनीता त्रिपाठी, सुनीता उपाध्याय , सीमा रजक, सरोज अग्रवाल, पूजा विश्वकर्मा, मंगला गुप्ता, बबलू राय , हौसिला शुक्ला, मुकेश तिवारी, अभिषेक पांडे, शैलेश सिंह, अनिल सिंह आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ग्रामीण वित्त की साइबर सुरक्षा में क्रांति लाएगी क्विक हील

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के ग्रामीण वित्तीय संस्थानों (आरएफआईज) की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए साइबर सुरक्षा समाधान में अग्रणी वैश्विक कंपनी क्विक हील टेक्नोलॉजीज ने बैंकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट(बर्ड), लखनऊ के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग को एक समझौता ज्ञापन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया, जिस पर क्विक हील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विशाल साल्वी और बर्ड लखनऊ के निदेशक श्री निरुपम मेहरोत्रा ने हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी ग्रामीण वित्त क्षेत्र में बढ़ते साइबर खतरों से निपटने और एक मजबूत डिजिटल प्रणाली बनाने के उद्देश्य से की गई है, जिससे सुरक्षित वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा।

क्विक हील की तीन दशकों की साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता और भारत की सबसे बड़ी मैलवेयर विश्लेषण सुविधा सेक्रिटे लैब्स के अनुभव का लाभ उठाकर, यह साझेदारी ग्रामीण वित्तीय संस्थानों को सुरक्षित करने पर केंद्रित होगी। इस सहयोग के तहत बर्ड लखनऊ में एक अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा लैब स्थापित की जाएगी, जो व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल विकास के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई होगी। इस पहल के तहत दोनों संस्थाएं मिलकर शोध करेंगी ताकि यह समझा जा सके कि आरएफआईज में साइबर सुरक्षा उपायों को कितना अपनाया जा रहा है। साथ ही, उनके तकनीकी बुनियादी ढांचे का विश्लेषण किया जाएगा और संस्थानों में मौजूद कौशल की कमी को पहचाना जाएगा।

साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी से बचाव के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए जाएंगे और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे वित्तीय संस्थानों को डिजिटल खतरों से बचने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल मिल सके।

इस साझेदारी के तहत नीति निर्माण में सहयोग दिया जाएगा, जिससे साइबर सुरक्षा उपायों को बेहतर तरीके से लागू किया जा सके। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा अभ्यास (साइबर ड्रिल्स) आयोजित किए जाएंगे ताकि यह जांचा जा सके कि आरएफआईज उभरते साइबर खतरों से निपटने के लिए कितनी तैयार हैं। इसी के साथ, एक नॉलेज एक्सचेंज प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा, जहां साइबर सुरक्षा और ग्रामीण वित्त क्षेत्र के विशेषज्ञ और हितधारक एक-दूसरे से जुड़ सकें और अपने अनुभव साझा कर सकें।

क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के सीईओ श्री विशाल साल्वी ने कहा, जैसे-जैसे डिजिटल बदलाव ग्रामीण भारत में अपनी जड़ें जमा रहा है, वैसे-वैसे वित्तीय संस्थानों की साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और भी जरूरी हो गया है। भले ही इन संस्थानों में लेन-देन की रकम तुलनात्मक रूप से कम हो, लेकिन साइबर हमले का असर काफी बड़ा हो सकता है। इसीलिए बर्ड के साथ हमारी यह साझेदारी ग्रामीण वित्त की सुरक्षा के लिए एक अहम कदम है। क्विक हील को साइबर खतरों से संस्थानों की सुरक्षा करने में दशकों का अनुभव है, और जब यह अनुभव बर्ड की ग्रामीण वित्त क्षेत्र में गहरी समझ के साथ जुड़ता है, तो इससे एक ज्यादा सुरक्षित और मजबूत वित्तीय व्यवस्था तैयार होती है। हमारे शोध अध्ययन, साइबर सुरक्षा लैब और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए हम आरएफआईज को जरूरी उपकरण, रणनीतियाँ और जानकारी मुहैया कराएंगे, ताकि वे डिजिटल दौर में सुरक्षित और सशक्त बने रहें। हमारा लक्ष्य है कि साइबर सुरक्षा को वित्तीय समावेशन का एक मजबूत स्तंभ बनाया जाए।

रक्तदान के माध्यम से श्रद्धांजलि, कदम कृष्णा वैद्यकीय सेल की पहल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कदम कृष्णा वैद्यकीय मदद कक्ष की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में कक्ष की सदस्य आरती धनजंय पवार की स्मृति में श्रद्धांजलि अर्पित की गई।. कक्ष के मार्गदर्शक धनजय पवार की पत्नी आरती पवार का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनकी स्मृति में कदम कृष्ण वैद्यकीय सहायता कक्ष की ओर से रविवार 16 फरवरी 2025 को ठाणे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 वेटिंग हॉल में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कक्ष के संस्थापक अध्यक्ष कृष्णा कदम ने कहा कि ग्रुप के सदस्यों का अच्छा खासा मिल रहा है

बता दें कि मरीजों के लिए वैद्यकीय कक्ष की ओर से मदद का कार्य किया जा रहा है।इस कक्ष की स्थापना चार साल पहले शहर में ग्रामीण मरीजों का तत्काल इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से किया गया। कक्ष की ओर से जरूरतमंदों एवं दिव्यांगों को निःशुल्क उपकरण वितरित किये जाते हैं। अब तक हजारों मरीज इस कक्ष की मदद ले चुके हैं। वैद्यकीय मदद कक्ष के अध्यक्ष कृष्णा कदम ने बताया कि आरती पवार को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. इस बार 50 से अधिक सदस्यों ने शिविर में भाग लेकर अपना कर्तव्य निभाया।

लिवप्योर की तीसरी तिमाही में 34% की जबरदस्त वृद्धि

मुंबई। भारत के ऑफलाइन सेगमेंट में अग्रणी वॉटर प्यूरीफायर ब्रांड लिवप्योर ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में पिछले साल की तुलना में 34% की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। लिवप्योर ऑफलाइन एम्बेडेड सर्विस मार्केट में नंबर वन वॉटर प्यूरीफायर ब्रांड बन गया है, जिससे उसकी इंडस्ट्री में पकड़ और भी मजबूत हो गई है। कंपनी का लगातार इनोवेशन, ग्राहक-केंद्रित रणनीतियाँ और बेहतरीन संचालन इस शानदार प्रदर्शन के पीछे की मुख्य वजहें रही हैं। हमारा ध्यान बेहतर कामकाज और ग्राहकों को अधिक मूल्य देने पर है, जिसका नतीजा यह है कि तीसरी तिमाही में एबिटा में 149% की साल-दर-साल वृद्धि हुई है। लिटमस के अनुसार 81 के इंडस्ट्री-लीडिंग नेट प्रमोटर स्कोर के साथ, लिवप्योर वॉटर प्यूरीफिकेशन और होम सॉल्यूशंस के लिए एक विश्वसनीय ब्रांड के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत कर रहा है।

लिवप्योर की जबरदस्त ग्रोथ अलग-अलग बिक्री चैनलों में साफ दिखाई देती है। जनरल ट्रेड में 108% की ऐतिहासिक बढ़त दर्ज की गई, जबकि मॉडर्न ट्रेड में 32% की बढ़त हुई। सीएसडी-सीपीसी चैनलों में 36% की वृद्धि हुई। ये आँकड़े दिखाते हैं कि लिवप्योर अपने मल्टी-चैनल स्ट्रैटेजी के जरिए अलग-अलग तरह के ग्राहकों की जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। लिवप्योर की विभिन्न श्रेणियों में हुई ग्रोथ से यह साफ है कि कंपनी घरेलू समाधान बाजार में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। वॉटर प्यूरीफायर सेगमेंट में 26% की वृद्धि हुई, जो इस क्षेत्र में कंपनी की मजबूत पकड़ को साबित करता है। किचन अप्लायंसेज की बिक्री 145% बढ़ी, जबकि एयर कूलर में 154% की जबरदस्त ग्रोथ देखने को मिली। डब्लूएएस सेगमेंट में 46% की बढ़त हुई, जिससे यह साफ होता है कि अब ग्राहक सब्सक्रिप्शन-बेस्ड वाटर सॉल्यूशंस को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। लिवप्योर के प्रबंध निदेशक, श्री राकेश कौल ने कहा, हमारे तीसरी तिमाही के नतीजे इस बात का प्रमाण हैं कि लिवप्योर अपने ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए बेहतरीन समाधान देने के लिए पूरी तरह समर्पित है। 34% की राजस्व वृद्धि और एबिटा में 149% की जबरदस्त बढ़त यह दर्शाती है कि उपभोक्ताओं को हमारे ब्रांड पर पूरा भरोसा है। हमारा ध्यान निरंतर इनोवेशन, बेहतर संचालन और बाजार के विस्तार पर बना हुआ है। रीलिव जैसी पहल के माध्यम से हम सिर्फ व्यावसायिक सफलता ही नहीं, बल्कि समाज पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

पशु चिकित्सा अधिकारियों को गोवंशों की नियमित जांच करने व दवाइयां देने का डीएम ने दिया निर्देश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में गोशाला से संबंधित हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में गोशाला से संबंधित बैठक 15 फरवरी 2025 को देर सायं संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने गौशालाओं की भौतिक स्थिति सही करने के निर्देश देने के साथ ही समस्त पशु चिकित्सा अधिकारियों को नियमित गोवंशो की जांच करने तथा दवाइयां देने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक गोशाला में जो भी कमी है इसकी रिपोर्ट दे।ग्राम प्रधानों से संवाद करते हुए उन्होंने नेपियर घास की खेती के संदर्भ में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने गोशालाओ के नियमित साफ-सफाई के साथ ही गोवंशों की नियमित साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त लेखपालों को निर्देशित किया कि ऐसी जमीन चिन्हित करें जहां हरा चारा बोया जा सके। उन्होंने गौशालाओं की बाउंड्री पर बोगनविलिया, गुड़हल, सिरस के पौधे लगाने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ग्राम प्रधानों से संवाद करते हुए कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वे का कार्य चल रहा है आवासहीन लोगों, दिव्यांगजन का नाम सर्वेक्षण में दर्ज कराने तथा जीरो पॉवर्टी सर्वे में भी सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में अपना सहयोग अवश्य प्रदान करें। इसके साथ ही उन्होंने बर्ड फ्लू एवियन इन्फ्लूएंजा के संक्रमण के संदर्भ में जानकारी देते हुए गौशालाओं की नियमित साफ-सफाई, पोल्ट्री फार्म की साफ-सफाई, ड्रेनेज सिस्टम सही करने के साथ ही जरूरी एहतियात बरतने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 रामअक्षयबर चौहान, जिला विकास अधिकारी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी, उपजिलाधिकारीगण, खंड विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, ग्राम प्रधान सहित अन्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में कलयुगी नशेड़ी बेटे ने माता-पिता की हथौड़े से कूचकर किया हत्या, हत्यारा फरार

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। लखनऊ राजधानी से दिल दहला देने वाले घटना आई है सामने यहां शनिवार की रात नशेड़ी बेटे ने हथौड़े से कूचकर माता-पिता की हत्या कर दी इसके बाद मौके से फरार हो गया। घटना से गांव के लोगों में बेटे के प्रति आक्रोश है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करके जानकारी जुटाई, आरोपी की तलाश में दो टीमें लगाई गई हैं। घटना मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के जबरौली गांव की है। बताया गया कि शनिवार की रात आरोपी विश्वमेष उर्फ लाला शराब के नशे में घर आया। किसी बात को लेकर अपने माता पिता से झगड़ने लगा। बात बढ़ी तो सिरफिरे ने पिता जगदीश (70) एवं मां शिवप्यारी (68) के सिर पर बारी-बारी से हथौड़े से ताबड़तोड़ वार किए। दंपति लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकला। आसपास के लोगों ने देखा तो भागकर पहुंचे। गांव के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी जुटाई। दोनों की सांसें चल रही थीं। पुलिस ने दोनों को सीएचसी पहुंचाया। वहां हालत नाजुक देखते हुए ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। जहां दोनों ने दम तोड़ दिया।

5 करोड़ की कोकीन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

वाराणसी में नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैण्ट थाना क्षेत्र में नारकोटिक्स की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 करोड़ रुपये मूल्य की कोकीन बरामद की है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नारकोटिक्स टीम ने यह ऑपरेशन पुलिस उपाधीक्षक अठळऋ राजकुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में अंजाम दिया। इस दौरान टीम में शक्तिधर पाण्डेय, अभिषेक कुमार सिंह और इंद्रजीत कुमार शामिल रहे। सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ते हुए भारी मात्रा में नशीला पदार्थ जब्त किया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी नशे की तस्करी में लिप्त था और वाराणसी सहित अन्य जिलों में इसे सप्लाई करने की फिराक में था।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी है। इस गिरफ्तारी के बाद वाराणसी पुलिस और नारकोटिक्स टीम इसे बड़ी सफलता मान रही है। प्रशासन ने भी साफ कर दिया है कि नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बक्सा पुलिस ने 2 चोरों को किया गिरफ्तार

कब्जे से जल जीवन मिशन की 4 पाईप बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बक्सा पुलिस द्वारा 02 चोरो को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से जल जीवन मिशन की 04 पाईप 180 टट बरामद पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर, देवेश सिंह व थानाप्रभारी उ0नि0 अटल बिहारी के नेतृत्व में उ0नि0 रणजीत कुमार मय हमराह द्वारा मु0अ0सं0 45/25 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस थाना बक्शा जौनपुर से सम्बन्धित चोरी गये 04 जल जीवन मिशन की पाईप सहित 02 अभियुक्तगण 1. मुलायम यादव पुत्र इन्द्रपाल यादव निवासी गढ़ासेनी थाना बक्शा जौनपुर उम्र करीब 25 वर्ष 2. अमन कन्नौजिया पुत्र ओमप्रकाश कन्नौजिया निवासी उदपुर थाना बक्शा जौनपुर करीब 21 वर्ष को मुखविर खास की सूचना पर ग्राम उदपुर से दिनांक 15.02.2025 को समय 19.55 बजे गिरफ्तार किया गया। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

न्यू लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाया टैलेंट

फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ का जगह-जगह चाहने वालों ने गाजे बाजे के साथ किया स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के घोसाँव में न्यू-लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल ने अपना 10 वाँ वार्षिक उत्सव जोश और उत्साह के साथ मनाया।बच्चों नें इस उत्सव में बढ़-चढ़ कर रूचि दिखाई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रख्यात गायक मनीष दुबे मंजुल ने सरस्वती वंदना व देश भक्ति गीतों से किया।स्कूल के विद्यार्थियों ने स्वागत धुन व बैंड बजाकर अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमएलसी स्नातक खण्ड वाराणसी आशुतोष सिन्हा, विशिष्ट अतिथि द्वय फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ, राष्ट्रीय हिन्दू भगवा वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष डा.अंजना सिंह का सभागार में पहुंचते ही स्वागत किया।इसके बाद दीप प्रज्जवलित किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य ने स्कूल की उपलब्धियों का जिक्र किया। पहली परफार्मेंस स्कूल के नन्हे-मुन्नों की रही।जिसमें उन्होने डिस्को डांस प्रस्तुत किया।इसके बाद बच्चों नें राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किया।स्कूल के विद्यार्थियों ने धुम्र पान के सेवन नाटक पर प्रस्तुति भी दी। जिसमें उससे होने वाली बीमारी को प्रस्तुत किया गया। और सामाजिक रूप से यह संदेश दिया गया कि अपनी मानसिक कुटिलता को छोड़कर समाज के वातावरण को स्वस्थ रखना हर नागरिक का कर्तव्य है।वहीं रंगारंग कार्यक्रम में कराटे कला का प्रदर्शन किया गया। विद्यार्थियों नें गिद्दे और भांगडे पर भी प्रस्तुति दी। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृत प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को इस मौके पर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में अतिथियों के हाथों उन्हे ट्राफियां श सर्टिफिकेट दिए गए। विद्यालय के चेयरमैन मनोज कुमार गुप्ता व प्रधानाचार्य दिनेश चन्द श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों और उनके अभिवावकों तथा शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि स्कूल की हर गतिविधि में भाग लेना हर विद्यार्थी का कर्तव्य है। इससे बहुत कुछ सीखने को मिलता है और सीखने की प्रकिया में कभी पिछड़ना नही चाहिए। अतिथियों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य दिनेश चन्द श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र्म देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर रमेश सिंह, मदन मोहन यादव(अधिवक्ता), शिवचन्द यादव, रितेश श्रीवास्तव, रवि यादव, संजीव सोनी, दीपक दुबे, प्रवीन श्रीवास्तव, अजय कुमार शर्मा, राहुल श्रीवास्तव, सालिक मौर्या, रवि शंकर मौर्या, विनय कुमार सिंह, अशोक कुमार यादव, अरविन्द कुमार, बीर बहादुर सिंह, राधिका सिंह, खुश्बू कुमारी, चन्दा गुप्ता, अभिषेक अग्रहरी, दिलीप श्रीवास्तव, शैलेश सिंह, सौरभ पटेल सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे। संचालन राहुल श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जाते समय रियह हीरो की मिशाल पैदा करने वाले फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ का उनके चाहने वाले सुन्दरम गुप्ता के नेतृत्व में दर्जनों युवाओं ने खालिसपुर हाइवे के पास बैंड-बाजे के साथ माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन के बाद अभिनेता चन्दन सेठ अपने काफिले के साथ ग्राम टुसौरी पराऊगंज पूर्व आईपीएस कृपाशंकर सिंह के यहां वार्षिक विशिष्ठ पूजन समारोह में जाते समय पराऊगंज बाजार में व्यापार मंडल अध्यक्ष शिवचन्द यादव के नेतृत्व में दर्जनों व्यापारियों ने माला पहनाकर बैंड-बाजे के साथ स्वागत किया।

नाबालिक को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे ।अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शैलेन्द्र कुमार सिंह के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर, देवेश सिंह के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 निर्भय नारायण चौबे मय हमराह का0 अमित कुमार व म0का0 पूजा यादव द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 146/2023 धारा 363/366/376 भादवि व 5/6 पाक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त राम बिहारी साहू पुत्र किशन पाल साहू नि0 अछरील पोस्ट नारायणपुर थाना कमासीन जनपद बांदा उ0प्र0 को मुखबीर की सूचना पर दिनांक 15.02.2024 बदलापुर रेलवे क्रासिंग के समीप गिरफ्तार कर विविध कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

अपराध निरोधक समिति थाना महराजगंज का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के अपराध निरोधक समिति थाना महराजगंज का शपथ ग्रहण समारोह आज दिन रविवार को विकासखंड महराजगंज के सभागार में हुआ संपन्न। अपराध निरोधक समिति का मुख्य उद्देश्य समाज में व्याप्त अपराध पर समाज के सहयोग से अंकुश लगाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पति विनय कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि अपराध निरोधक कमेटी का गठन बहुत ही अच्छा है इससे समाज में होने वाले अपराध में कमी आएगी। आपसी बातचीत से भी विवाद को सुलझाया जा सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थाना अध्यक्ष महराजगंज ओमप्रकाश पांडे का मंत्री अरविंद कुमार मिश्रा ने माल्यार्पण का स्वागत किया थाना अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि अपराध निरोधक समिति थाना महराजगंज अपराध में रोकथाम में सहयोग करेगा और मुझसे जो सहयोग हो सकेगा पूरा करूंगा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उद्योपति जितेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा से अपराध में कभी आएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश सिंह ने किया। आए हुए सभी अतिथियों का आभार और धन्यवाद अपराध निरोधक समिति थाना महराजगंज के अध्यक्ष शिवप्रसाद सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सदेव सिंह, नागेंद्र सिंह, लक्ष्मी नारायण चौरसिया, योगेश प्रकाश सिंह, अरविंद कुमार मिश्रा, नहकउ गुप्ता, अशोक सिंह, अरुण सिंह, संनाम सिंह आदि सभी पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

फुरकानिया हायर सेकेंडरी स्कूल में बाल मेला का हुआ आयोजन

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खेतासराय-जौनपुर मुख्य मार्ग पर स्थित फुरकानिया हायर सेकेंडरी स्कूल, शाही तालाब पर रविवार को एक दिवसीय बाल मेले का आयोजन इंस्टिट्यूट फॉर सोशल डेमोक्रेसी दिल्ली एवं आजाद शिक्षा केन्द्र के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मास्टर अख्तर खान रहे। उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि सामाजिक सौहार्द (सौहार्द्र) का अर्थ है समाज में प्रेम, एकता, सहयोग और परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ावा देना। यह किसी भी समाज या राष्ट्र की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक होता है। जब समाज में सौहार्द होता है।तो लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हैं। भेदभाव से मुक्त होते हैं और मिलजुलकर कार्य करते हैं। समाज में सौहार्द बढ़ाने के लिए सभी को समान और नैतिक शिक्षा दी जानी चाहिए। इससे समाज में सहिष्णुता और एकता की भावना विकसित होती है। धर्म, जाति और भाषा के आधार पर समाज में भेदभाव को समाप्त करना और सभी समुदायों के बीच समानता को बढ़ावा देना जरूरी है। विचारों और संस्कृतियों का आदान-प्रदान कर समाज में समरसता लाई जा सकती है। जरूरतमंदों की मदद करना, सामूहिक कार्यों में भाग लेना, और आपसी सहयोग से समाज को मजबूत बनाया जा सकता है। समाज के नेताओं, शिक्षकों और प्रबुद्ध व्यक्तियों को सामाजिक सौहार्द बढ़ाने के लिए आदर्श प्रस्तुत करने चाहिए। इस दौरान बच्चेओं द्वारा टायर दौड़, जोडी रेस, पेंटिंग प्रतियोगिता, नाटक प्रस्तुति, म्यूजिक चेयर, रस्सी कूद, रिंग थ्रो, स्लो साइकिल रेस, गुब्बारा जलथल, चम्मच दौड़ आदि प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के स्थान प्राप्त करे वाले विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बाल कल्याण अधिकारी चंदन राय, महिला अधिकार एवं लैंगिक संवेदनशीलता मुन्नी बेगम, नंदलाल व कन्हैया राम ने सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम में अवधेश कुमार यादव, प्रभा देवी, नीलम, नेहा, कुशाग्र, मनोज, सुफियान, आफताब, ज्योतिका समेत भारी संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध जन, छात्र-छात्राएं, अभिभावक मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में संस्था के ट्रस्टी निसार खान ने आगन्तुको के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाकुंभ से स्नान करके लौट रहे तीर्थयात्रियों को ट्रक ने मारी टक्कर एक की मौत 4 घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के सई नदी पुल के पास शनिवार की रात लगभग 10:00 बजे प्रयागराज कुम्भ से स्नान करके तीर्थयात्री अपने घर छत्तीसगढ़ को लौट रहे थे। तभी ट्रक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें प्रदीप कुमार सिंह 30 वर्ष पुत्र स्वः उदित नारायण सिंह की मौके पर मृत्यु हो गई। घायलों में शकुंतला 45 वर्ष, रामदुलार 57 वर्ष, शिव शंकर साहू 43 वर्ष कृष्ण कुमार 35 वर्ष, जिला अस्पताल में भर्ती हैं। बाकी घायल सिरकोनी ट्रामा सेंटर में भर्ती हैं। ट्रक और ट्रक चालक मौके से फरार हो गए आते-जाते राहगिरों ने घायलों को गाड़ी से निकालकर एंबुलेंस के द्वार जिला अस्पताल को भेजा जहां पर उनका इलाज चल रहा है। ये सभी तीर्थयात्री एक ही गांव के हैं। बैकुंठपुर कोरिया छत्तीसगढ़ के रहने वाले है। यह सभी यात्री बोलेरो मैक्स वाहन में सवार थे। घर को वापस जा रहे थे। किसी को क्या पता था की इस तरह की अनहोनी हो जाएगी। जब इसकी सूचना यात्रियों के गांव तक पहुंची तो पूरा गांव शोक में डूब गया। जब इस सम्बंध जलालपुर थाना प्रभारी से पूछा गया दूर संचार के माध्यम से तो थाना प्रभारी का कहना था की एक मृत्यु हुई है चार घायल है। सभी का उपचार चल रहा है बेहतर तरीके चल रहा है।

बसपा सुप्रीमो मायावती का ऐलान, उनके जीते जी कोई उत्तराधिकारी नहीं

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अब एक बार फिर से उतराधिकारी पद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है।उन्होंने रविवार को कहा है कि बसपा का उत्तराधिकारी उनके जीते जी कोई भी कांशीराम के पद चिन्हों पर चलने वाला ही होगा। मायावती ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट करते हुए लिखा, बीएसपी, देश में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के मानवतावादी आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के कारवाँ को सत्ता तक पहुँचाने हेतु, मान्यवर कांशीराम जी द्वारा सब कुछ त्यागकर स्थापित की गई पार्टी व मूवमेन्ट, जिसमें स्वार्थ, रिश्ते-नाते आदि महत्वहीन अर्थात बहुजन-हित सर्वोपरि है। उन्होंने आगे लिखा।इसी क्रम में मान्यवर कांशीराम जी की शिष्या व उत्तराधिकारी होने के नाते उनके पदचिन्हों पर चलते हुए मैं भी अपनी आखिरी सांस तक हर कुबार्नी देकर संघर्ष जारी रखूंगी ताकि बहुजन समाज के लोग राजनीतिक गुलामी व सामाजिक लाचारी के जीवन से मुक्त होकर अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा में 163 अभ्यर्थी हुए शामिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, राजातालाब, वाराणसी के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के संचालन के क्रम में दिनांक-16.02.2025 को राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कालेज, अटाला मस्जिद के पास जौनपुर में कक्षा-06 एवं कक्षा-09 के लिए प्रवेश परीक्षा प्रातः 11.00 बजे से अपरान्ह 01.00 बजे तक आयोजित की गयी।प्रवेश परीक्षा हेतु कक्षा-06 में कुल 115 बालक एवं बालिकाओं तथा कक्षा-09 हेतु कुल 63 बालक एवं बालिकाओं द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रवेश परीक्षा में कक्षा-06 में कुल 115 बच्चों के सापेक्ष कुल 105 तथा कक्षा-09 में कुल 63 बच्चों के सापेक्ष 58 बच्चों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग किया गया। इस प्रकार जनपद जौनपुर में कुल 178 अभ्यर्थियों में से 163 अभ्यर्थियों प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुए। अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा हेतु आयुक्त, वाराणसी मण्डल, वाराणसी द्वारा जनपद स्तर पर अधिकृत नोडल अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, जौनपुर के निर्देशन में प्रवेश परीक्षा शान्तिपूर्वक एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। उक्त जानकारी सहायक श्रम आयुक्त ने दी है।

नि:शुल्क सेवा देने का पर्व है महाकुम्भ: डॉ.अलका प्रकाश पाण्डेय

मेंटरिंग भारत के द्वारा महाकुंभ 2025 में मेदांता हॉस्पिटल व कमला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के साथ विशाल स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में मेंटरिंग भारत के द्वारा महाकुंभ 2025 में मेदांता हॉस्पिटल व कमला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के साथ विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस कैंप में निःशुल्क दवा का वितरण एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। गंगा आरती गंगेश्वर घाट सेक्टर 9, पर मेला प्रशासन अधिकारी डॉ.ज्ञान प्रकाश की उपस्थिति में आम जनमानस एवं गंगा सेवादूत तथा स्वच्छता कर्मी के स्वास्थ्य हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन देश विदेश में अपनी कुशल क्षमता से पहचान बनाने वाले डॉ.सुनील कुमार विश्वकर्मा, प्रबंध निदेशक, कमला हॉस्पिटल वरिष्ठ सर्जन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजक विनय कुमार पांडे एवं निखिल श्रीवास्तव ने बताया कि डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा द्वारा मेंटरिंग भारत एवं कमला हॉस्पिटल द्वारा किए गए आयोजन की सराहना की गई और बताया गया विगत दिवस उद्घाटन समारोह में पधारे डॉ.नरेश त्रेहन संस्थापक द्वारा विभिन्न हॉस्पिटल से सहयोग हेतु जोड़ते हुए अपने दिल्ली, लखनऊ की इकाई से मदद की बात कही और कहा कि हर संभव मदद की जाएगी। डॉ. सुनील विश्वकर्मा ने हृदयाघात के लक्षण एवम त्वरित जीवन रक्षक उपायों को आम जनता के साथ साझा किया साथ ही मेंटरिंग भारत के अनुपम प्रयास को सराहते हुए सभी डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। ज्ञानस्थली फाउंडेशन की ट्रस्टी द्वारा इस कार्यक्रम में महाकुंभ से संबंधित सनातन पर्व की किताबें व प्रतीक चिह्न देकर सभी का धन्यवाद दिया। मेंटरिंग भारत द्वारा एक अवेयरनेस कैंप भी आयोजित किया गया जिसमें कमला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल व सैक्टेम फॉउंडेशन के कुशल डॉक्टरों की टीम में डॉ. सुनील विश्वकर्मा(जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन, प्रबंध निदेशक, कमला मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल), डॉ. लोकेन्द्र गुप्ता(सह निदेशक, इमरजेंसी मेडिसिन व ट्रामा केअर, मेदांता लखनऊ), डॉ. प्रियंका यादव(दंत रोग विशेषज्ञ, केजीएमयू, लखनऊ) डॉ. प्रगति यादव, डॉ. सुरेंद्र सिंह(सुयश हॉस्पिटल,कानपुर), डॉ. अविनाश विश्वकर्मा(शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ. विनीत सिंह(सामान्य रोग विशेषज्ञ), डॉ. संगीता मौर्य(स्त्री रोग विशेषज्ञ) समेत सभी रोगों के इलाज के डॉक्टर्स उपस्थित रहे। पैथोलॉजी पर प्रकृति पैथोलॉजी के राधिका मौर्य, प्रबंधन स्टाफ में खुशबू तिवारी, रोहित सिंह, हितेश श्रीवास्तव, कमलेश कुमार, फामेर्सी पर शुभम कुमार, बबिता, नर्सिंग स्टाफ में दीपाली, विपिन, कौशल, इमरजेंसी एम्बुलेंस में शुभम कुमार उपस्थित रहे। मेंटरिंग भारत की मुख्य ट्रस्टी द्वारा बताया गया कि उक्त शिविर लगातार चलता रहेगा। सभी लोग इसका लाभ उठा सकते है एवं अपने स्वास्थ्य को उत्तम बना सकते हैं।

नगर पंचायत मछलीशहर के रोडवेज परिसर में बनाए गए स्वागत शिविर में निःशुल्क बिस्किट, पानी, चाय, फल का किया गया वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत मछलीशहर के रोडवेज परिसर में बनाए गए स्वागत शिविर में कुंभ मेले में जाने वाले और स्नान के उपरांत लौट रहे श्रद्धालुओं के लिए जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा निःशुल्क बिस्किट, पानी, चाय, फल वितरण किया गया।जिलाधिकारी ने असम, बंगाल और अन्य प्रान्तों से आ रहे श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए उन्हें बिस्किट, फल और पेयजल उपलब्ध कराया। जिलाधिकारी द्वारा मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में तैनात पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। इस दौरान लम्बे समय से यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु तैनात सेना के जवानों के साथ संवाद स्थापित करते हुए उनका हाल जाना गया तथा श्रद्धालुओं के लिए सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं के लिए उनकी प्रशंसा करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं के लिए सुगम यातायात और सुरक्षा व्यवस्था में लगे एसएसबी और पुलिस के लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सभी के प्रयास से इतना बड़ा आयोजन सफल हो रहा है। निरीक्षण के दौरान यातायात व्यवस्था सुगमतापूर्वक संचालित होते हुए पायी गयी।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, जॉइंट मजिस्ट्रेट/ उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार सहित नगर पंचायत मछलीशहर के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बोला-सिलपरा बाईपास सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

रीवा(उत्तरशक्ति)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निमार्णाधीन रीवा में बेला-सिलपरा बाईपास मार्ग का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री ने बाईपास मार्ग में बनाये जा रहे। पुलों के निर्माण के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बेला से सिलपरा बाईपास का निर्माण पूरा होने से रीवा शहर में रिंग रोड के दोनों भाग पूरे हो जायेंगे।

जबलपुर तथा सतना की ओर से आने वाले एवं सीधी और सिंगरौली जाने वाले वाहनों को बेला से सीधा मार्ग मिल जायेगा। बाईपास का निर्माण पूरा होने से रीवा में वाहनों का दबाव घटेगा। यह बाईपास रीवा के साथ-साथ सीधी और सिंगरौली जिले के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। निर्माण कार्य में किसी भी तरह की बाधा आने पर तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करायें। बरसात से पहले बाईपास सड़क का निर्माण हरहाल में पूरा करायें। यह सड़क विन्ध्य में औद्योगिक विकास को गति देने में भी सहायक होगी। निरीक्षण के समय प्रभारी कलेक्टर डॉ. सौरभ सोनवड़े, तकनीकी अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रमेश सिंह बने निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा के लिए निषाद पार्टी ने जौनपुर की शाहगंज सीट से विधायक निर्वाचित हुए रमेश सिंह को अपना विधानमंडल दल का नेता चुना है। इस संबंध में प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे द्वारा भेजे गए पत्र के माध्यम से रविवार को उन्हें आधिकारिक सूचना प्राप्त हुई। इसके बाद सिंह को मंगलवार से शुरू होने वाले विधानमंडल के बजट सत्र से पहले कार्यमंत्रणा समूह और सर्वदलीय बैठक में शामिल होने के लिए लखनऊ बुलाया गया है। सिंह ने पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का लंबे समय से चला आ रहा दबदबा समाप्त करते हुए शाहगंज सीट पर निषाद पार्टी के पक्ष में जीत दर्ज की। उन्होंने सपा के पूर्व मंत्री शैलेंद्र यादव को हराकर इस सीट पर भाजपा गठबंधन के सहयोग से निषाद पार्टी का परचम लहराया। पत्र प्रतिनिधियों से बातचीत में कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है ।वह केवल उनकी नहीं, बल्कि शाहगंज की जनता का सम्मान है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे इस जिम्मेदारी पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

सड़क हादसों में युवक सहित दो की मौत

बहराइच (उत्तरशक्ति)। यूपी के बहराइच में अलग-अलग क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में किसान सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। रानीपुर थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय हादसे का शिकार हुए श्रावस्ती निवासी युवक की 20 फरवरी को तिलक और 2 मार्च को शादी थी। मौत की सूचना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। श्रावस्ती जिले के गिलौला थाना के ग्राम पंचायत रामपुर पैड़ा निवासी राजन शुक्ला (22) शनिवार को बरात में शामिल होने के लिए रानीपुर थाना क्षेत्र के जिगनिया छत्रपाल गांव आए थे। इस दौरान रानीपुर थाना क्षेत्र में बहराइच-हुजूरपुर मार्ग पर कुट्टी चौराहा के पास सड़क किनारे पैदल जाते समय तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी।

हादसे में राजन टायर की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक के दोस्त शिवम पाठक ने बताया राजन का 20 फरवरी को तिलक समारोह था और दो मार्च को शादी होनी थी। जिसको लेकर उनके घर में तैयारियों का दौर चल रहा थ। इस बीच मौत की सूचना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। पिता अजीत अचेत हो गए। दोस्त ने बताया कि मृतक राजन फैक्टरी में बटन टांकने का काम कर अपना भरण-पोषण करता था। रानीपुर थानाध्यक्ष चंद्र प्रताप सिंह ने बताया टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अध्यात्म हमें संवेदनशील बनाता है
श्रीराम कथा श्रवण करने पहुँचे जिला जज

सुलतानपुर। रविवार को जिला कारागार मे आयोजित तीन दिवसीय राम कथा मे काशी धाम के मानस कोविद् पंडित मदन मोहन मिश्र महाराज ने कहा कि अध्यात्म और विज्ञान के संबंध से ही राष्ट्र का कल्याण संभव है। लोग विज्ञान के बल पर आकाश में पक्षी की तरह उड़ रहे हैं। जल में मछली की तरह तैर रहे हैं। लेकिन आदमी की तरह धरती पर नहीं चल पा रहे हैं। अध्यात्म के अभाव में हम चंद्रमा की दूरी भले नाप रहे हो किंतु पड़ोसी से दूर होते जा रहे हैं। विज्ञान हमें गतिशील बनाता है अध्यात्म संवेदनशील बनाता है। जिसके जीवन में संवेदना नहीं होगी वह वेद को कभी भी नहीं जान पाएगा। विज्ञान कृति का विश्लेषण करता है किंतु अध्यात्म करता का अन्वेषण करता है। भगवान श्री राम ने वशिष्ठ को शास्त्र गुरु विश्वामित्र को शास्त्र गुरु अगस्त को मंत्र गुरु बनाकर के जोड़ दिया। दशरथ के घर पुत्र के रूप में जनक के घर अपनी शक्ति को पुत्री के रूप में दोनों को जोड़ दिया। परशुराम को प्रणाम कर निषाद को गले लगा कर केवट से पर धुल कर शबरी का फल खाकर सुग्रीव और विभीषण को मित्र बनकर सभी को जोड़ दिया। सामान्य बात की विराट चेतना का नाम ही श्री राम है उनके राज्य में सब लोग एक दूसरे से प्रेम करते हैं अपने कर्तव्य का पालन करते हैं राम राज्य का आदर्श अपने से राम के चरित्र को जीवन में लाने से मानव में मानवता स्थापित होती है। जिससे वह अच्छे कार्य करके समाज का अच्छा निर्माण करता है कथा मे उपस्थित जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ला को राम दरबार की फोटो साल पुष्प गुच्छ और संकल्प पत्रिका भेंट कर लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया और समिति के राष्ट्रीय सचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकू भइया ने स्वागत किया। इसी कड़ी मे जिला जेल अधीक्षक प्रांजिल अरविंद का और सीजीएम सुधीर कुमार का भी स्वागत किया गया। जिला जज अपने संबोधन मे कहा कि राह से भटके हुए को रास्ता दिखाना ये सबसे बड़ा कार्य है और ऐसे विभिन्न आयोजन के लिए मै चंद्रशेखर शुक्ल को धन्यवाद देता हूँ और जेल अधीक्षक तथा सीजीएम ने भी ऐसे धार्मिक और नेक कार्य के लिए चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया को महान और लोकप्रिय समाजसेवी बताते हुए धन्यवाद दिया। यह तीन दिवसीय मानस प्रवचन लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा बंदी सुधार अभियान के तहत जेल में निरुद्ध कैदियों हेतु आयोजित किया गया था। कथा मे सुलतानपुर जिला जज लक्ष्मीकांत शुक्ला और उनकी धर्म पत्नी, जेल अधीक्षक प्रांजिल अरविंद, सीजीएम सुधीर कुमार, समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया, डिप्टी जेलर कविता कुमारी, रीता श्रीवास्तव, गौरव कुमार सिंह, समिति के राष्ट्रीय सचिव प्रभाकर शुक्ल रिंकू भइया, मंच संचालक अधिवक्ता सुभाष त्रिपाठी, एस एन मिश्रा, आचार्य बृजेश, डॉ धर्मेंद्र, जयसिंहपुर प्रमुख राहुल शुक्ल, संदीप दुबे, आदेश मिश्र, नवीन सिंह, पंच बहादुर वर्मा,योगेश तिवारी, अंजनी यादव, हैपी पांडेय, बब्लू तिवारी, सहित जेल के प्रशासनिक अधिकारी आदि लोगों की मौजूदगी मे बेबी भइया ने महाराज जी और जिला जज तथा उपस्थित सभी अतिथियों, के प्रति आभार ज्ञापित किये, और आरती प्रसाद

कृषि महाविद्यालय रीवा में 12 करोड़ से अधिक लागत के किये जायेंगे विकास कार्य : उप मुख्यमंत्री

कन्या छात्रावास भवन तथा श्री अन्न भण्डार भवन का किया लोकार्पण

रीवा (उत्तरशक्ति)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय परिसर रीवा में अवनि कन्या छात्रावास भवन तथा श्री अन्न प्रसंस्करण एवं भण्डारण भवन का लोकार्पण किया। इनका निर्माण एक करोड़ 5 लाख रुपए की लागत से कराया गया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा कृषि महाविद्यालय 1952 से स्थापित है। इसके भवन निर्माण तथा अधोसंरचना विकास के अन्य कार्यों की बहुत आवश्यकता है। इसके लिए बनायी गयी 12 करोड़ 37 लाख रुपए की कार्ययोजना विश्वविद्यालय से मंजूरी मिलने के बाद शीघ्र लागू होंगी। महाविद्यालय में नये संकायों के खोलने, प्राध्यापकों की नियुक्ति तथा शोध के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय विन्ध्य में श्री अन्न की वैज्ञानिक विधि से खेती के लिए बडे केन्द्र के रूप में विकसित होगा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि कृषि महाविद्यालय को कुछ महीने पहले सुन्दर सड़क का उपहार दिया गया है। इसमें शीघ्र ही स्ट्रीट लाइट लगायी जायेंगी। इस सड़क के दोनों ओर महाविद्यालय वृक्षारोपण करा के हराभरा बनायें। आज 30 विस्तर कन्या छात्रावास का लोकार्पण किया गया है। इससे छात्राओं को बहुत सहूलियत होगी। इस महाविद्यालय में लगभग 40 प्रतिशत छात्राएँ हैं। महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों का प्लेसमेंट शत-प्रतिशत है। उप मुख्यमंत्री ने महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों तथा पम्पलेट का विमोचन किया। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलगुरू डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि श्री अन्न प्रसंस्करण केन्द्र शुरू होने से विन्ध्य के किसानों को बहुत लाभ होगा। पूरी दुनिया में श्री अन्न की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय के विकास में अतुलनीय योगदान दिया है। आगे भी महाविद्यालय अनुसंधान के क्षेत्र में प्रगति करेगा। सांसद जनार्दन मिश्र, महाविद्यालय के डीन डॉ. संत कुमार त्रिपाठी सहित कृषि महाविद्यालय के प्राध्यापक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

परीक्षा केंद्रों, स्ट्रांग रूम और कंट्रोल रूम को 24 घंटे मिलेगी बिजली

आजमगढ़। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाओं के मद्देनजर मुख्य सचिव ने परीक्षा केंद्रों, जिला व मुख्यालय स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम में 12 मार्च तक 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए हैं। इस बाबत उन्होंने ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव व उत्तर प्रदेश कॉरपोरेशन निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखा है। जिले में परीक्षा के लिए 282 केंद्र बनाए गए हैं। जिले में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के 1.77 लाख छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगे। इसमें हाईस्कूल के 85,852 छात्र-छात्रा व इंटरमीडिएट के 91083 छात्र-छात्रा शामिल होंगे। सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी के जरिये ऑनलाइन करना है। बोर्ड की ओर सभी परीक्षा केंद्रों पर 24 घंटे विद्युत आपूर्ति के लिए विभाग को पत्र जारी किया गया है। सीएमओ को भी पत्र जारी कर परीक्षा केंद्र के आसपास प्राथमिक उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा है जिससे परीक्षा के दौरान परीक्षार्थी अथवा ड्यूटी में लगे किसी शिक्षक की तबीयत बिगड़े तो उन्हें त्वरित उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। डीआईओएस उपेंद्र कुमार बोर्ड के निर्देश क्रम में 24 घंटे बिजली आपूर्ति परीक्षा केंद्र को उपलब्ध कराने व सीएमओ को उपचार प्रबंधन के लिए पत्र जारी किया गया है।

घंटाघर की पुरानी घड़ियों को हटाकर लगाई जाएंगी नई

आजमगढ़। नगर के सिविल लाइन चौराहे पर स्थित घंटाघर के सुंदरीकरण का कार्य नगरपालिका ने शुरू कर दिया है। पालिका द्वारा पीपीपी मॉडल पर इस घंटाघर का निर्माण कराया जा रहा है। घंटाघर में पहले से लगी घड़ियों को हटाकर उनके स्थान पर नई घड़ियों को लगाया जाएगा। नगर पालिका द्वारा सिविल लाइन चौराहे पर पूर्व पालिकाध्यक्ष इंदिरा देवी जायसवाल ने घंटाघर का निर्माण कराया। इसके सुंदरीकरण के लिए इस टाइल्स लगाई गईं। घंटाघर में चार घड़ियां लगाई गईं। लगने के बाद यह चारों घड़ियां अलग-अलग समय बताती रहीं। किसी ने भी इन घड़ियों की टाइमिंग सही कराने की जरूरत नहीं समझी। कुछ दिन तक तो सारी घड़ियां चलती रहीं, लेकिन इसके बाद तीन घड़ियां बंद हो गई सिर्फ एक घड़ी समय बताती रही। इसके बाद यह घड़ी भी बंद हो गई। पालिका के जिम्मेदार बंद घड़ियों के खराब होने और उनकी मरम्मत के लिए लखनऊ से कारीगर आने की बात कहते रहे। सालों बीत गए न तो घड़ियां बनी और ना ही लखनऊ से इन्हें बनाने के लिए कारीगर ही आया। इसका परिणाम हुआ एक-एक कर घंटाघर की घड़ियां गायब होने लगी। अब नगर पालिका प्रशासन ने घंटाघर के सुंदरीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। इस संबंध में नगरपालिका के ईओ विवेक त्रिपाठी ने बताया कि नगरपालिका ने पीपीपी मॉडल पर घंटाघर चौराहे के सुंदरीकरण कार्य कराया जा रहा है।

अथर्व स्कूल ऑफ बिजनेस मुंबई के छात्रों का फ्रांस और बेल्जियम अध्ययन दौरा

मुंबई। अथर्व ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, मुंबई का एक प्रमुख संस्थान अथर्व स्कूल ऑफ बिजनेस (ASB) ने हाल ही में अथर्व ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील राणे के कुशल मार्गदर्शन और नेतृत्व में अपने छात्रों के ग्लोबल एक्सपोजर की अपनी प्रतिबद्धता के तहत फ्रांस और बेल्जियम की एक इंटरनेशनल स्टडी टूर का आयोजन किया। यह पहल PGDM के पाठ्यक्रम में ग्लोबल मैनेजमेंट की समझ को विकसित करने के अनुरूप है, जो छात्रों को आज के तेजी से विकसित होती व्यावसायिक परिदृश्य में नेतृत्व करने के लिए तैयार करती है।

श्री सुनील राणे ने पीजीडीएम छात्रों के साथ सार्थक बातचीत की तथा वैश्विक प्रबंधन के महत्व तथा अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने भारत, फ्रांस और बेल्जियम के बीच महत्वपूर्ण व्यापार और राजनीतिक समझौतों पर चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार ये समझौते आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे और नए व्यापार अवसर पैदा करेंगे।

कांदिवली के एकता नगर स्थित मैदान पर 5000 पौधे लगाने के मिशन की हुई शुरुवात

- जनसेवक गोपाल शेट्टी पौधारोपण अभियान में हुए शामिल

कांदिवली, मुंबई। कांदिवली वार्ड क्रमांक 31 के पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव द्वारा एकता नगर, गली नम्बर 10 के पास स्थित मैदान पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'एक पेड़ माँ के नाम' की संकल्पना से आयोजित इस पौधारोपण के आयोजन में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिति दर्ज कराते हुए स्वयं भी पौधारोपण किया तथा वायु प्रदुषण के खिलाफ जंग लड़ने के लिए धरती को हरियाली से आल्हादित और आक्षादित करने में नागरिकों के कर्तव्य का प्रभावशाली संदेश दिया।

इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ पूर्व नगरसेवक कमलेश यादव सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे।

फिट इंडिया साइकिलिंग संडे का आयोजन

पटना(उत्तरशक्ति)। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, पटना में आज ३फिट इंडिया साइकिलिंग संडे३ का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के बच्चों, स्टाफ और एथलीट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था। इस आयोजन के तहत 3 किलोमीटर की जॉय राइड निकाली गई, जिसमें टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। साइकिल यात्रा प्रेमचंद गोलंबर झ दीदार गोलंबर झ वैशाली गोलंबर होते हुए पुनः स्कूल परिसर में समाप्त हुई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य साइकिलिंग को एक मजेदार और पर्यावरण अनुकूल फिटनेस गतिविधि के रूप में प्रोत्साहित करना था, जो फिट इंडिया मूवमेंट के तहत एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम का शुभारंभ टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल, राजेंद्र नगर के निदेशक राजीव भार्गव द्वारा फ्लैग ऑफ कर किया गया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया, पटना के सेंटर इंचार्ज सोमेश्वर राव चव्हाण ने सभी प्रतिभागियों को इस पहल के महत्व के बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु रिफ्रेशमेंट पैकेट वितरित किए गए, जिससे वे ऊर्जा से भरपूर रहें और आगे भी ऐसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित हों। ३फिट इंडिया साइक्लिंग संडे३ जैसी पहल से समाज में फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और साइकिलिंग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रथम वर्षगांठ पर लाव्यांश अणवकर का जन्म दिन मनाया गया

राजकुमार अग्रहरि

मुम्बई (उत्तर शक्ति)। माटुंगा पूर्व सारस्वत कालोनी भाउदाजी रोड स्थित भट्ट भुवन निवासी लाव्यांश विराज अणवकर का प्रथम वर्षगांठ पर जन्म दिन सारस्वत ब्राह्मण सभा हाल (जीएसबी हाल) में दिनांक 15 फरवरी 2025 दिन शनिवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया । उनके जन्मदिन पर पिता विराज ज्ञानेश अणवकर व माता कोमल विराज अणवकर, नाना पॉल सैमूल ओहल , नानी मोनिका पॉल ओहल ने लाव्यांश को दीघार्यु कामना करते हुए जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। दादी दीपा अणवकर, संजीव अणवकर , बुआ कंचन , कविष्का , गौरवी अणवकर, संध्या , रागिनी , प्रशांत मिश्रा (अम्बूज) , फुलचंद मिश्रा, कपील दर्जी, विजय भाई परमार, जगदीश परमार ने आशिर्वाद प्रदान किया । पत्रकार राजकुमार अग्रहरि सह परिवार सहित पहुंच कर बच्चे को आशीर्वाद प्रदान किया। दिशा मिश्रा ने हार्दिक बधाई दी है। दैनिक उत्तर शक्ति उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मृग के कस्तूरी की सुगंध के भांति , लाव्यांश बेटा आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

मेरठ के एथलीट की चिली में सड़क हादसे में मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। मेरठ के शस्त्र कारोबारी के बेटे एथलीट मोहित कोहली (36) की दक्षिण अमेरिका के चिली में सड़क हादसे में मौत हो गई। मोहित साइकिलिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने निकले थे। बुधवार को दक्षिण अमेरिका के देश चिली में तेज रफ्तार कार ने उन्हें कुचल दिया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलने पर परिवार में मातम है। चिली से मोहित का शव लाने के लिए शुक्रवार को माता-पिता रवाना होंगे। मोहित के पिता प्रणनीत कोहली उर्फ रोमी मेरठ के बड़े बिजनेसमैन हैं। उनकी आबूलेन और पीएल शर्मा रोड पर शस्त्र की दुकानें हैं। मोहित कोहली ने सेंट मैरी स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से ग्रेजुएशन किया। उन्होंने लंदन और दूसरे देशों में भी पढ़ाई की। परिवार काफी समय से दिल्ली में रह रहा है। मोहित दौड़, तैराकी और पोलो के भी खिलाड़ी थे। मोहित को एडवेंचर बहुत पसंद था। ऐसे में उन्होंने साइकिलिंग शुरू की। उन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए। कोलंबिया, पेरू, इक्वाडोर और चिली में रह चुके थे। वह अब चिली में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के करीब थे। मोहित ने दक्षिण अमेरिका को सबसे तेज स्पीड में पार करने के लिए कोलंबिया के शहर काटार्जेना से 22 जनवरी को यात्रा शुरू की थी। उनकी फिनिश लाइन उशुआइया पैटागोनिया में थी। 10 हजार किमी के इस सफर को वह तेजी से तय करते हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तरफ बढ़ रहे थे। साढ़े 5 हजार किलोमीटर का सफर पूरा कर चुके थे। चिली के टारापाका क्षेत्र में रूट-5 नोर्ट पर बुधवार शाम को उनकी साइकिल को एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इससे मोहित सड़क पर गिरे और गाड़ी के पहिए के नीचे आ गए। मोहित अपनी यात्रा के वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर लगातार शेयर कर रहे थे। उनकी मौत से उनके परिजन और परिचित बेहद दुखी हैं।

गड्ढे में गिरी बाइक, किसान की मौत

बहराइच (उत्तरशक्ति)। हरदी थाना क्षेत्र के सिसैया चूरामणि गांव निवासी विनय सिंह (46) शनिवार को बहराइच से घर आ रहे थे। रास्ते में हरदी थाना के भगवानपुर चौराहा के पास बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में चली गई। हादसे में गंभीर रुप से घायल विनय को परिजनों ने इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के भतीजे अतुल सिंह ने बताया चाचा खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे और एक बेटा व एक बेटी है। मौत से पत्नी सुनीता सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। राहगीरों के मुताबिक चालक ने हेलमेट लगा रखा था, लेकिन झटका लगने से निकल गया।

भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब द्वारा क्विज प्रतियोगिता आयोजित

जलालपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब ने कक्ष संख्या 17 में क्विज प्रतियोगिता आयोजित की। इसमें 30 श्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा और सभी को प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। केवल उन्हीं प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण का अवसर मिलेगा। जिन्होंने प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य डॉ. अल्केश्वरी सिंह के उद्बोधन से हुई। इसके बाद डॉ. मिगफर इमाम ने भारतीय मानक ब्यूरो की शपथ दिलाई। डॉ. संजय नारायण सिंह ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। इस आयोजन में प्रमुख रूप से डॉ. बृजेश कुमार मिश्र, डॉ. जगत नारायण सिंह, डॉ. अंशुमान सिंह, श्री सफीउल्लाह अंसारी, डॉ. जितेन्द्र प्रसाद यादव, हिमांशु कुमार, श्रीकृष्ण सिंह और सोमारू राम की देखरेख में विज्ञान संकाय के लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। इस सफल आयोजन को कराने में बयालसी महाविद्यालय, जलालपुर, जौनपुर के भारतीय मानक ब्यूरो स्टैंडर्ड क्लब के संयोजक डॉ. आशुतोष पाण्डेय, सह-संयोजक डॉ. अनिल कुमार और डॉ. मिगफर इमाम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में, संयोजक डॉ. आशुतोष पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और आयोजन समिति के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

यात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गहरी खाई में पलटी, दर्जनों यात्री घायल

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में कुंभ स्नान के बाद काशी विश्वनाथ जी दर्शन के लिए जाते समय रोहनिया थाना क्षेत्र के गंगापुर पुलिस चौकी अंतर्गत सुइचक उसरा स्थित राजभर बस्ती के सामने रविवार की भोर में लगभग 4 बजे मोहनसराय से गंगापुर जाने वाली रोड पर मोहन सराय की ओर से गंगापुर की तरफ जा रही यात्री से भरी बस सामने से आ रही फोर व्हीलर कार को पास देने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगभग 8 फीट गहरे गड्ढे में पलट गयी। जिसमें अलग-अलग जगहों के कुल 30 यात्री सवार थे। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक श्याम नारायण यादव ने स्थानीय लोगों की मदद से उक्त सभी बस सवार घायलों को बस का शीशा तोड़कर बाहर निकलवाया और एंबुलेंस द्वारा कबीरचौरा हॉस्पिटल में चौरल इंदौर मध्य प्रदेश निवासी लक्ष्मी नारायण चौहान उम्र 40 वर्ष, लोकेश पवार उम्र 35 वर्ष, नेहा व्यास उम्र 32 वर्ष, तथा सुख वृष्टि न्यू टाउन कोलकाता निवासी रणदीप ओझा उम्र 40 वर्ष को कबीर चौराहा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया इसके अलावा बंगाल निवासिनी पूजा चक्रवर्ती को आराजी लाइन सीएससी तथा बीएचयू स्थित ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी यात्री इलाहाबाद कुंभ स्नान करने के बाद प्राइवेट बस द्वारा वाराणसी काशी विश्वनाथ जी के दर्शन के लिए जा रहे थे।